आषाढ़ शुक्ल पक्ष -11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 19 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
24 जुलाई 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
27.3 अधिकतम
23.5 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

नीट पर विरोध के बहाने कौन लिख रहा भारत की सियासी पटकथा?

नीट का प्रश्नपत्र लीक होना निस्संदेह एक गंभीर अपराध था। लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हुआ। सरकार कठघरे में आई, सर्वोच्च न्यायालय ने कड़ी टिप्पणियाँ कीं, आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, दोबारा परीक्षा हुई और प्रवेश प्रक्रिया भी आगे बढ़ गई। प्रधानमंत्री ने फास्ट ट्रैक अदालतों में दोषियों को सजा दिलाने का भरोसा भी दिया। लेकिन इसके बाद भी कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिनके उत्तर आज तक देश को नहीं मिले।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

दिल्ली में छात्र आंदोलन के बीच हिंसा फैलाने वाले लोग कौन थे? वे वास्तविक अभ्यर्थी थे या आंदोलन की आड़ में घुस आए संगठित उत्पाती? यदि वे छात्र नहीं थे तो उनकी पहचान आज तक क्यों नहीं हो सकी? देश की राजधानी में पुलिस और खुफिया एजेंसियां यह तक क्यों नहीं बता पा रही हैं कि आंदोलन को हिंसक बनाने वाले लोग आखिर थे कौन?

और एक सवाल इससे भी बड़ा है...

'कॉकरोच' शब्द का प्रयोग स्वयं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने प्रश्नपत्र लीक के संदर्भ में किया था। फिर पूरा राजनीतिक विमर्श अचानक न्यायपालिका से हटकर केवल नरेंद्र मोदी सरकार पर कैसे केंद्रित हो गया? निशाना प्रश्नपत्र लीक था, सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी थी या फिर राजनीतिक सत्ता? देश में प्रश्नपत्र लीक की यह पहली घटना नहीं थी। राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना सहित अनेक राज्यों में वर्षों से पेपर लीक होते रहे हैं। यूपीए शासनकाल में भी ऐसी घटनाएँ सामने आईं। तब पूरे देश में ऐसा राजनीतिक उबाल क्यों नहीं आया? यदि छात्रों का भविष्य ही चिंता का विषय है, तो चिंता चयनात्मक क्यों दिखाई देती है?

सबसे गंभीर प्रश्न आंदोलन के स्वरूप को लेकर है। क्या यह वास्तव में स्वतःस्फूर्त छात्र आंदोलन था, या फिर उसके भीतर कोई संगठित तंत्र भी सक्रिय था?

मेरे अनुभव में इतने व्यापक, लंबे और बहुस्तरीय आंदोलन केवल भावनाओं के सहारे नहीं चलते। उन्हें संगठन चाहिए, संसाधन चाहिए, संचार तंत्र चाहिए और आर्थिक सहयोग भी चाहिए। यह 1974-75 का जयप्रकाश नारायण आंदोलन नहीं था, जिसमें जनसैलाब स्वयं सड़कों पर उतर आया था। आज के डिजिटल युग में बड़े आंदोलनों का संचालन अधिक संगठित ढंग से होता है। इसलिए यह पूछना अस्वाभाविक नहीं कि इस पूरे अभियान की आर्थिक रीढ़ क्या थी?

यदि भारत में तथाकथित 'जेन-ज़ी' शैली के आंदोलनों की पटकथा लिखी जा रही है, तो उसका वित्तपोषण कौन कर रहा है? संसाधन कहाँ से आ रहे हैं? क्या यह केवल छोटे-छोटे जनसहयोग का परिणाम है, या इसके पीछे कोई बड़ा राजनीतिक, वैचारिक अथवा विदेशी नेटवर्क सक्रिय है? यदि सरकार या उसके समर्थक विदेशी अथवा संगठित फंडिंग का संकेत देते हैं, तो यह केवल राजनीतिक आरोप बनकर नहीं रह जाना चाहिए। जांच एजेंसियों को देश के सामने तथ्य रखने चाहिए। और यदि ऐसी कोई फंडिंग नहीं हुई, तो भी सरकार को स्पष्ट रूप से यह बताना चाहिए कि उसकी जांच का निष्कर्ष क्या है। लोकतंत्र में संदेह का समाधान केवल प्रमाण से होता है।

दूसरी ओर सरकार भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती...

पिछले महीनों में शिक्षा मंत्रालय की कार्यप्रणाली ने गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं। यदि मंत्रालय के भीतर प्रशासनिक विफलता थी तो उसकी राजनीतिक जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। केवल शिक्षा सचिव को हटाने से संदेश नहीं जाएगा। यदि नैतिक उत्तरदायित्व स्वीकार करना है, तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को जांच पूरी होने तक स्वयं पद छोड़ने पर विचार करना चाहिए। इससे सरकार की विश्वसनीयता बढ़ेगी, कम नहीं होगी।

समाधान क्या है?

मेरी दृष्टि में एक स्वतंत्र न्यायिक आयोग का गठन किया जाना चाहिए, जो केवल नीट ही नहीं, बल्कि पिछले वर्षों में देशभर में हुए सभी बड़े प्रश्नपत्र लीक मामलों की समयबद्ध जांच करे। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि समस्या किसी एक सरकार की है, किसी एक राज्य की है या पूरी परीक्षा व्यवस्था की संरचनात्मक बीमारी बन चुकी है। साथ ही, छात्र आंदोलनों में हिंसा फैलाने वाले हर व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक होनी चाहिए। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन अराजकता का नहीं। संसद में चर्चा की मांग भी अपनी जगह है। किंतु जब अधिकांश आरोपी गिरफ्तार हो चुके हों, मामला न्यायालय में विचाराधीन हो और सरकार स्वयं त्वरित न्याय की बात कर रही हो, तब राजनीतिक शोर से अधिक महत्व न्यायिक प्रक्रिया का है। संसद समाधान का मंच बने, केवल आरोपों का नहीं।

आज सबसे बड़ा संकट यह है कि शिक्षा भी राजनीतिक ध्रुवीकरण का हथियार बनती जा रही है। सरकार जितनी रक्षात्मक होगी, उतने ही नए राजनीतिक प्रश्न उसके सामने खड़े होंगे। और विपक्ष यदि केवल इस्तीफों की राजनीति करेगा, समाधान का कोई खाका नहीं देगा, तो उसकी विश्वसनीयता भी सीमित रह जाएगी। देश को यह जानने का अधिकार है कि छात्रों के नाम पर चलने वाले आंदोलनों की वास्तविक प्रकृति क्या है। कौन छात्र है, कौन राजनीतिक कार्यकर्ता है, कौन अवसरवादी तत्व है और यदि कोई संगठित वित्तीय या वैचारिक नेटवर्क सक्रिय है तो उसका सच क्या है। जब तक इन प्रश्नों के उत्तर नहीं मिलेंगे, तब तक नीट विवाद केवल प्रश्नपत्र लीक का मामला नहीं रहेगा। वह भारतीय लोकतंत्र, राजनीति, शिक्षा व्यवस्था और राज्य की क्षमता—चारों की परीक्षा बना रहेगा। प्रश्न केवल यह नहीं है कि नीट का पर्चा किसने लीक किया। असली प्रश्न यह है कि देश के लोकतांत्रिक आंदोलनों की पटकथा कौन लिख रहा है, मंच कौन सजा रहा है और पर्दे के पीछे से निर्देशक कौन है? लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, लेकिन यदि विरोध की डोर कहीं और से हिल रही हो, तो उसका सच सामने आना उससे भी अधिक आवश्यक है।'

दिल्ली पुलिस की छुट्टियां रद्द... आज भी 17 मेट्रो स्टेशन बंद

सरकार से मीटिंग के पहले ही दिपके बोले-इस्तीफे तक जारी रहेगा आंदोलन

नई दिल्ली, एजेंसी

नीट पेपर लीक में एक्शन समेत अन्य मांगों को लेकर सोनम वांगचुक द्वारा अनशन तोड़ने के बाद भी कॉकरोच जनता पार्टी अपना आंदोलन ख़त्म करने को तैयार नहीं है। पार्टी के आव्हान पर देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। आज ही सीजेपी के प्रतिनिधियों के साथ सरकार की मीटिंग हो रही है लेकिन पार्टी संयोजक ने इससे पहले ही ऐलान कर दिया कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा नहीं होता जंतर-मंतर का आंदोलन जारी रहेगा। उधर, लगातार पांचवें दिन संसद में भारी हंगामा हुआ और लोकसभा की कार्रवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। आज हो रही केंद्रीय केबिनेट की बैठक में परीक्षा क़ानून को सख्त बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलने की सम्भावना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बारे में अपने संदेश में जानकारी दी थी।

इस बीच, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जवाबदेही तय करने, शिक्षा व्यवस्था में सुधार, नीट पेपर लीक से जुड़े आत्महत्या पीड़ितों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमें वापस लेने की मांग दोहराई है। साथ ही फिलहाल आंदोलन जारी रखने की बात कही है। संगठन के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि सरकार हमारे दबाव में है इसलिए पीएम को रात 12:30 बजे वीडियो जारी करना पड़ा। युवाओं के प्रदर्शन को देखते हुए आज सेंट्रल दिल्ली में राजीव चौक और लोक कल्याण मार्ग समेत 17 मेट्रो स्टेशन बंद किए गए हैं। देर रात संसद मार्ग पर प्रदर्शनकारियों ने बैरिकैड्स तोड़े थे।

दिल्ली पुलिस ने सभी रैंक के पुलिस अधिकारियों की छुट्टी रद्द कर दी है। जंतर-मंतर पर हो रहे प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया।

उधर दिल्ली हाईकोर्ट आज जंतर-मंतर पर लगाए गए इंटरनेट बैन मामले पर सुनवाई कर रहा है। इसके अलावा प्रदर्शन स्थल पर लगातार निगरानी किए जाने को चुनौती देने वाली एक अन्य याचिका पर भी सुनवाई होगी।

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी का आज 35वें दिन भी आंदोलन जारी है। साथ ही देश के विभिन्न हिस्सों में भी प्रदर्शन हो रहे हैं।

विदेशी ताकतों का हाथ - इंद्रेश

सीनियर RSS नेता इंद्रेश कुमार ने आज आरोप लगाया कि कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनों के पीछे देश और विदेश की ताकतें शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि ये ताकतें नहीं चाहतीं कि भारत एक विकसित, मजबूत और शिक्षित राष्ट्र बने। विपक्षी दलों ने शुरुआत में परीक्षा का मुद्दा उठाया था, लेकिन बाद में वे भटक गए और अपनी राजनीति करने लगे।

संसद में हंगामा , खड़गे बोले- पीएम सदन में बयान दें

शिक्षा मंत्री प्रधान के इस्तीफे की मांग को आज भी विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के बाहर प्रदर्शन किया। सरकार के खिलाफ नारे लगाए।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी को सदन में बयान देना चाहिए, तभी हम उनकी बातों को सही मानेंगे। रात 12 बजे बयान जारी करने के बजाय उन्हें सदन में बोलना चाहिए। लोकसभा में केंद्रीय संसदीय मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'मैंने आज एक बार फिर केसी वेणुगोपाल से अनुरोध किया है कि हम सबकी राय है कि नीट पर चर्चा होनी चाहिए। सोनम वांगचुक ने अपनी भूख हड़ताल तोड़ दी है और चर्चा की मांग की है। अगर हम चर्चा नहीं करेंगे, तो इससे देश में सही संदेश नहीं जाएगा।' लेकिन शोरशराबा नहीं थमा तो कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

देशभर में बारिश का कहर

गंगा-यमुना उफान पर, गुजरात में हालात बिगड़े

नई दिल्ली/जयपुर, एजेंसी

पूरे देश में मानसून की बारिश जारी है। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। आज राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। 54 जिलों में बारिश का अलर्ट है। असम में बाढ़ से 6.53 लाख लोग प्रभावित हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सिवान समेत बिहार के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। औरंगाबाद और बक्सर में गुरुवार को बिजली गिरने से 2-2 लोगों की मौत हो गई।

रतलाम-मंदसौर समेत 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मौसम विभाग ने आज श्योपुर, मंदसौर, रतलाम, आलीराजपुर और पन्ना में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 24 घंटे के दौरान 4 इंच तक बारिश हो सकती है। वहीं भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत प्रदेश के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का होने का अनुमान है। प्रदेश में 24 जून को मानसून ने दस्तक दी थी, तब से अब तक औसतन 12.8 इंच (325.1 मिमी) बारिश दर्ज की गई है। हालांकि यह सामान्य से करीब 10 प्रतिशत कम है। मौसम विभाग के मुताबिक, इस समय तक 14.1 इंच (359.6 मिमी) बारिश हो जाना चाहिए थी।

मुंबई रूट पर बारिश का असर... अवंतिका एक्सप्रेस समेत 8 ट्रेनें रहेगी रद्द

रतलाम। मुंबई रेल मंडल के घोलवड-उमरगाम रोड रेलखंड में भारी बारिश के कारण हुए जलभराव का असर दूसरे दिन भी रेल यातायात पर बना हुआ है। रेल परिचालन प्रभावित होने के चलते रतलाम रेल मंडल से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों का संचालन आज भी प्रभावित रहा। रेलवे ने 8 ट्रेनों को उनके प्रारंभिक स्टेशनों से रद्द कर दिया है, जबकि 6 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट और शॉर्ट ओरिजिनेट किया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गुरुवार को घोलवड-उमरगाम रेलखंड के बीच स्थित ब्रिज क्रमांक-203 पर जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया था। सुरक्षा कारणों से इस सेक्शन पर रेल परिचालन अस्थायी रूप से प्रभावित करना पड़ा, जिससे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग की कई ट्रेनें प्रभावित हुईं। मुंबई की ओर जाने वाली अनेक ट्रेनों को रतलाम मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर रोका गया।

मुरैना के आमनपुरा गांव में पेड़ पर लटके मिले प्रेमी-प्रेमिका के शव

मुरैना। बागचीनी थाना क्षेत्र के आमनपुरा गांव में एक पेड़ पर युवक और युवती के शव लटके पाए गए हैं। दोनों को प्रेमी-प्रेमिका बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों की पहचान के साथ मामले की छानबीन शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह मामला सामूहिक खुदखुशी का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

ईरान पर सबसे बड़े हमले की तैयारी में अमेरिका

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सबसे बड़ा हमला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'तैयारी पूरी है, अब सिर्फ फैसला लेना बाकी है।' ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान ने अभी तक पर्याप्त दर्द नहीं झेला है। ट्रम्प के बयान के बाद ईरान ने भी तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका ने हमले जारी रखे तो उसे इसकी 'और भारी कीमत' चुकानी पड़ेगी। इधर, ब्रिटेन ने भी अपनी सेना को अलर्ट पर रखा है। ब्रिटिश सरकार का कहना है कि जरूरत पड़ने पर उसकी सेना देश की सुरक्षा के लिए तैयार है।

450 करोड़ का बैंक फ्रॉड केस: ईडी की 3 राज्यों में छापेमारी

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय के लखनऊ जोनल ऑफिस ने आज प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 के तहत संतोष ओवरसीज लिमिटेड और उससे जुड़ी कंपनियों के खिलाफ जांच के सिलसिले में तलाशी अभियान चलाया। इसको लेकर दिल्ली, यूपी और पंजाब में कई जगहों पर छापेमारी की है। ईडी की यह जांच सीबीआई के एक मामले से जुड़ी हुई है, जिसमें बैंकों के एक ग्रुप से लिए गए करीब 450 करोड़ रुपये के कथित बैंक फ्रॉड का मामला शामिल है। लोन के रुपये को कथित तौर पर शेल कंपनियों, अकोमोडेशन एंट्री ऑपरेटरों के माध्यम फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के जरिए दूसरी जगहों पर भेजा गया।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर — कई गोलियां लगने के बावजूद टाइगर हिल्स पर किया था कब्जा, 19 की उम्र में मिला परमवीर चक्र

कारगिल के हीरो का नया मिशन... गढ़ रहे हैं भविष्य के सिपाही

नई दिल्ली, एजेंसी

कारगिल युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देकर मात्र 19 वर्ष की आयु में देश के सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेताओं में शामिल हुए सूबेदार मेजर (मानद कैप्टन) योगेंद्र सिंह यादव का नया मिशन अब बंदूक नहीं, बल्कि युवाओं के मन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और आत्मविश्वास की लौ जलाना है। युद्धभूमि में दुश्मन की गोलियों का सामना करने वाले यह वीर सैनिक आज देशभर के स्कूलों, कॉलेजों और सैन्य प्रशिक्षण संस्थानों में जाकर नई पीढ़ी को जीवन के सबसे बड़े सबक सिखा रहे हैं।

कारगिल विजय दिवस की वर्षगांठ जब नजदीक है , एक बार फिर योगेंद्र सिंह यादव चर्चा में हैं। कारगिल युद्ध के दौरान कई गोलियां लगने के बावजूद, उन्होंने दुश्मन की भारी गोलीबारी के बीच एक खड़ी चट्टान पर चढ़कर टाइगर हिल पर कब्जा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे कहते हैं कि कारगिल में जो साथी देश के लिए शहीद हुए, उनका सपना केवल सीमा की रक्षा करना नहीं था, बल्कि ऐसा भारत बनाना था जहाँ युवा अपने कर्तव्यों को समझें और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। यही सोच उन्हें लगातार विद्यार्थियों के बीच ले जाती है।

यादव अपने संवादों में युद्ध की रोमांचक कहानियाँ सुनाकर केवल वीरता का संदेश नहीं देते, बल्कि बताते हैं कि कठिन परिस्थितियों में भी धैर्य, अनुशासन और सकारात्मक सोच कैसे व्यक्ति को असंभव लगने वाली चुनौतियों से पार करा सकती है। वे विद्यार्थियों से कहते हैं कि हर किसी को सैनिक बनने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन हर नागरिक को अपने दायित्वों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है। स्कूलों में उनके कार्यक्रमों के दौरान बच्चे बड़ी उत्सुकता से उनकी बातें सुनते हैं। वे कारगिल की बर्फीली चोटियों, दुश्मन की गोलाबारी और अपने साथियों के बलिदान के संस्मरण साझा करते हैं। कई छात्र उनसे सेना में भर्ती होने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने और कठिन परिस्थितियों में मानसिक रूप से मजबूत बने रहने के बारे में सवाल पूछते हैं। यादव हर प्रश्न का सरल और प्रेरक उत्तर देते हैं।

उद्देश्य के प्रति समर्पित रहें

10 मई 1980 को बुलंदशहर में जन्मे श्री यादव का मानना है कि आज के युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि लक्ष्य से भटकाव है। यदि युवा अपने उद्देश्य के प्रति समर्पित रहें, तो सफलता निश्चित है। वे सोशल मीडिया के दौर में भी किताबों, खेलों और अनुशासित जीवनशैली को महत्व देने की सलाह देते हैं। कारगिल युद्ध ने उन्हें देश का सर्वोच्च वीरता सम्मान दिलाया, लेकिन वे मानते हैं कि असली सम्मान तब मिलेगा, जब देश का हर युवा अपने क्षेत्र में ईमानदारी, मेहनत और राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। शायद यही कारण है कि युद्ध के नायक आज कक्षाओं में खड़े होकर भविष्य के भारत को गढ़ने का काम कर रहे हैं।

अब 75 मिनट का इंतजार खत्म! भोपाल में हर 15 मिनट में मिलेगी मेट्रो

कल से सुभाष नगर-एम्स कॉरिडोर पर दौड़ेंगी 4 ट्रेनें, दोनों दिशाओं में रोज 50 फेरे लगाने की तैयारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के मेट्रो यात्रियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। 25 जुलाई 2026 से सुभाष नगर से एम्स के बीच संचालित प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अब एक नहीं, बल्कि चार मेट्रो ट्रेनें दौड़ेंगी। कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) से दोनों ट्रैक के सिग्नलिंग सिस्टम को ओके रिपोर्ट मिलने के बाद मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने नई समय-सारणी जारी की है।

नई व्यवस्था के तहत पीक आवर्स में यात्रियों को हर 15 मिनट में मेट्रो मिलेगी, जबकि सामान्य समय में ट्रेन 30 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध होगी। इससे वर्तमान में 75 मिनट तक मेट्रो का इंतजार करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। नई व्यवस्था में चारों ट्रेनें दोनों दिशाओं में कुल 50 फेरे लगाएंगी। यानी सुभाष नगर से 25 और एम्स से 25 फेरे होंगे। नई समय-सारणी के अनुसार पहली मेट्रो सुबह 9 बजे सुभाष नगर से और 9:30 बजे एम्स से रवाना होगी। अंतिम ट्रेन शाम 6:30 बजे सुभाष नगर और 7 बजे एम्स से चलेगी। सुबह 9 से 10:30 बजे और शाम 5:30 से 7 बजे तक पीक आवर्स में 15 मिनट के अंतराल पर

सेवा मिलेगी। दोनों ट्रैक पर ऑटोमैटिक सिग्नलिंग शुरू होने से अप और डाउन लाइन पर मेट्रो का संचालन अधिक नियमित हो सकेगा। इससे दफ्तर और कॉलेज जाने वाले हजारों यात्रियों का समय बचेगा और राजधानी में सार्वजनिक परिवहन को भी रफ्तार मिलेगी।

कल से ऐसे मिलेगी मेट्रो सेवा

भोपाल के सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो सेवा की नई समय-सारणी 25 जुलाई से लागू होगी। इसके तहत यात्रियों को पीक आवर्स में हर 15 मिनट के अंतराल पर मेट्रो मिलेगी। सुबह 9 से 10:30 बजे और शाम 5:30 से 7 बजे तक यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। सामान्य समय में मेट्रो 30 मिनट के अंतराल पर संचालित होगी। पहली ट्रेन सुबह 9 बजे सुभाष नगर से और 9:30 बजे एम्स से रवाना होगी। वहीं अंतिम मेट्रो शाम 6:30 बजे सुभाष नगर और 7 बजे एम्स से चलेगी। चारों ट्रेनें दिनभर दोनों दिशाओं में कुल 50 फेरे लगाएंगी। इससे यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और मेट्रो से सफर करना पहले के मुकाबले अधिक सुविधाजनक होगा।

सिग्नलिंग सिस्टम ओके, दोनों ट्रैक पर दौड़ेंगी ट्रेनें

भोपाल मेट्रो के प्रायोरिटी कॉरिडोर पर दोनों ट्रैक के सिग्नलिंग सिस्टम को सीएमआरएस की ओके रिपोर्ट मिलने के बाद सेवा विस्तार का रास्ता साफ हुआ है। अब अप और डाउन दोनों लाइनों पर ट्रेनें नियमित रूप से चल सकेंगी। वर्तमान में एक मेट्रो दिनभर में सीमित फेरे लगा रही है और यात्रियों को अगली ट्रेन के लिए करीब 75 मिनट तक इंतजार करना पड़ रहा है। नई व्यवस्था में चार ट्रेनें संचालित होने से यह अंतराल घटकर पीक आवर्स में 15 मिनट और सामान्य समय में 30 मिनट रह जाएगा। इससे रोजाना मेट्रो से सफर करने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। खासतौर पर दफ्तर, कॉलेज और अन्य जरूरी कामों के लिए आने-जाने वाले लोगों का समय बचेगा।

अयोध्या नगर में उपभोक्ताओं की बढ़ी परेशानी

स्मार्ट मीटर लगा तो 200 का बिजली बिल पहुंच गया तीन हजार रुपए के पार

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के अयोध्या नगर क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिजली बिलों में अचानक बढ़ोतरी की शिकायतों ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने से पहले सब्सिडी के बाद जहां उनका मासिक बिल करीब 200 रुपए तक आता था, वहीं अब कई परिवारों को 2 से 3 हजार रुपए तक के बिल मिल रहे हैं। इससे लोगों में नाराजगी और असमंजस की स्थिति है।

अयोध्या नगर निवासी विनोदानंद झा के घर मई में स्मार्ट मीटर लगाया गया था। जून की खपत का बिल जुलाई में करीब 2300 रुपए आया। झा के मुताबिक जून में उनका परिवार महज पांच दिन ही घर पर रहा था। इसके बावजूद इतनी अधिक राशि का बिल समझ से परे है। उन्होंने 17 जुलाई को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह समस्या केवल एक घर तक सीमित नहीं है। कई उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर लगने के बाद अधिक बिल आने की शिकायत की है। उनका आरोप है कि ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने के बाद उन्हें केवल शिकायत क्रमांक दिया जा रहा है, लेकिन समाधान नहीं हो रहा। लोगों ने मीटर और बिलों की निष्पक्ष जांच कर जल्द राहत देने की मांग की है। भोपाल के जीएम प्रदीप सिंह चौहान ने कहा कि उपभोक्ताओं की शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और समस्याओं का जल्द से जल्द निराकरण किया जाएगा।

शिकायतें कई, समाधान का इंतजार

स्थानीय लोगों का कहना है कि अयोध्या नगर में स्मार्ट मीटर लगने के बाद कई उपभोक्ताओं को सामान्य से अधिक बिजली बिल मिलने की शिकायत है। लोगों का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराने के बाद बिजली कंपनी की ओर से उन्हें केवल शिकायत क्रमांक दिया जाता है, लेकिन जांच और समाधान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ती। इससे उपभोक्ताओं को आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक तनाव का भी सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि स्मार्ट मीटर की कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए और जिन उपभोक्ताओं के बिल असामान्य रूप से बढ़े हैं, उनके मीटर और खपत का सत्यापन किया जाए। लोगों ने लंबित शिकायतों का जल्द निराकरण नहीं होने पर उच्च अधिकारियों और जिला प्रशासन के समक्ष सामूहिक रूप से मामला उठाने की चेतावनी दी है।

पांच दिन घर में रहे, फिर भी आया 2300 का बिल

अयोध्या नगर निवासी विनोदानंद झा के घर मई में स्मार्ट मीटर लगाया गया था। इसके बाद जून की बिजली खपत का बिल जुलाई में आया, जिसकी राशि करीब 2300 रुपए थी। झा का कहना है कि जून में उनका परिवार केवल पांच दिन ही घर पर रहा था। ऐसे में इतनी अधिक राशि का बिल आने से वे हैरान हैं। उनका दावा है कि स्मार्ट मीटर लगने से पहले सब्सिडी के बाद उनका बिजली बिल सामान्यत: करीब 200 रुपए आता था। उन्होंने 17 जुलाई को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद बिजली कंपनी की ओर से कोई अधिकारी संपर्क करने नहीं पहुंचा। झा ने कहा कि समय पर समाधान नहीं हुआ तो उपभोक्ताओं का बिजली व्यवस्था से भरोसा कमजोर होगा।

जीएम बोले- शिकायतों की होगी निष्पक्ष जांच

स्मार्ट मीटर के बाद बढ़े बिजली बिलों को लेकर सामने आ रही शिकायतों पर बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं को जल्द समाधान का भरोसा दिया है। भोपाल के जीएम प्रदीप सिंह चौहान ने कहा कि उपभोक्ताओं की जो भी शिकायतें हैं, उनकी निष्पक्ष जांच की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जांच के आधार पर संबंधित समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण किया जाएगा। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि मीटर की रीडिंग, वास्तविक खपत और बिल की राशि में किसी तरह की गड़बड़ी है तो उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए। क्षेत्रवासियों ने बिजली कंपनी से मांग की है कि शिकायतों की जांच केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर जाकर मीटर और खपत की स्थिति का सत्यापन किया जाए, ताकि उपभोक्ताओं को वास्तविक राहत मिल सके।

भोपाल के बहुचर्चित हत्याकांड में अदालत का फैसला

पत्नी से शादी की सनक में रिश्ते के भाई की कर दी हत्या, आरोपी को उम्रकैद

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रिश्ते के भाई की पत्नी से शादी करने की सनक में उसकी हत्या करने वाले आरोपी को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने आरोपी राहुल सिलावट को दोषी ठहराते हुए यह फैसला सुनाया। आरोपी राहुल और मृतक राकेश लड़िया आपस में रिश्ते के भाई थे। अदालत में पेश साक्ष्यों के अनुसार राहुल, राकेश की पत्नी रेखा से शादी करना चाहता था और इसी दुर्भावना के चलते उसने हत्या की साजिश रची।

घटना 25 नवंबर 2024 की है। राहुल ने राकेश से गैस सिलेंडर

और चूल्हा खरीदने चलने को कहा। दोनों साथ निकले, लेकिन लौटते समय राहुल उसे शराब पिलाने के बहाने कोलार रोड स्थित होली क्रॉस स्कूल के पास सुनसान स्थान पर ले गया। वहां राहुल ने राकेश के सामने उसकी पत्नी से शादी करने की बात रखी। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर राहुल ने बाइक में रखा बांका निकाला और राकेश के सिर व गर्दन पर वार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव झाड़ियों में फेंक दिया। पुलिस को घटनास्थल के पास स्थित योगी नाश्ता दुकान के सीसीटीवी फुटेज से अहम सुराग मिला। फुटेज में दोनों को विवाद करते देखा गया था। पूछताछ में राहुल ने अपराध स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर बरामद बांके और कपड़ों पर मिले खून का डीएनए मृतक के खून से मेल खा गया। अदालत ने आरोपी के बचाव में दिए पुलिस मारपीट से खून लगने के तर्क को भी मनगढ़ंत मानते हुए खारिज कर दिया।

चरित्र शंका में पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित शांति नगर झुग्गी में चरित्र शंका के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी रातभर पत्नी के शव के पास बैठा रोता रहा। बुधवार सुबह पड़ोसियों ने घर के भीतर महिला का शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर गुरुवार को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

हबीबगंज थाना पुलिस के अनुसार मृतका 45 वर्षीय लता बाई मूल रूप से बैतूल जिले की रहने वाली थी। करीब छह वर्ष पहले उसकी दूसरी शादी शांति नगर झुग्गी निवासी 47 वर्षीय रामप्रसाद उर्फ बब्लू से हुई थी, जो मजदूरी करता है। लता बाई के पहले पति की मौत हो चुकी थी। उसका इकलौता बेटा इटारसी में रहता है। बीते करीब एक वर्ष से पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद होते रहते थे।

पूछताछ में सामने आया है कि लता बाई करीब तीन महीने पहले घर छोड़कर चली गई थी। मंगलवार रात वह वापस घर लौटी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। आरोपी पति को पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। विवाद इतना बढ़ा कि उसने पत्नी के साथ बेरहमी से मारपीट कर दी। गंभीर चोट लगने से महिला बेसुध हो गई। थाना प्रभारी संजीव चौकसे के अनुसार आरोपी कुछ समय के लिए घर से चला गया और देर रात वापस लौटा तो महिला की मौत हो चुकी थी।

श्रावण-भादौ मास में निकलेगी मुक्तेश्वर महादेव की सवारी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भगवान शिव के प्रिय श्रावण मास को लेकर मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। श्रावण-भादौ महीने के सोमवार को उज्जैन में निकलने वाली महाकाल की सवारी की तरह भोपाल के बाबा मुक्तेश्वर की पांच सवारी निकाली जाती है। 30 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत हो रही है और पहला सोमवार 3 अगस्त को है। इसमें से चार सवारियां श्रावण मास में और एक सवारी भादौ मास के सोमवार को निकाली जाएगी। इस दौरान हर दिन मुक्तेश्वर महादेव की भस्म आरती भी की जाएगी।

उज्जैन में महाकाल की निकलती हैं 6 सवारी : उज्जैन में श्रावण-भादौ मास में भगवान महाकाल की 6 सवारियां निकलती हैं। इसमें 4 सवारियां श्रावण मास के

सोमवार पर निकलती हैं और दो भादौ मास में। इसमें आखिरी सवारी राजसी सवारी के रूप में निकाली जाती है, जिसके दर्शन करने बड़ी संख्या में भक्त पहुंचते हैं। भोपाल के मुक्तेश्वर महादेव की पांच सवारियां निकाली जाती हैं। भोपाल के सभी मंदिरों में श्रावण की तैयारियां की जा रही हैं। इसमें सोमवार के दिन विशेष आयोजन होंगे। भोलेनाथ का विशेष शृंगार और महाआरती की जाएगी। श्रावण में भगवान शिव का अभिषेक किया जाएगा।

एम्स भोपाल में नकद भुगतान से मिलेगी राहत 15 अगस्त से शुरू होगी प्री-पेड कैशलेस सेवा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल ने मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए प्री-पेड कैशलेस स्मार्ट कार्ड सेवा शुरू की है। डिजिटल इंडिया अभियान के तहत शुरू की गई यह सुविधा 15 अगस्त से मरीजों के लिए उपलब्ध होगी। इसके जरिए अस्पताल में विभिन्न सेवाओं का भुगतान बिना नकद राशि के आसानी से किया जा सकेगा। इसे भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के सहयोग से शुरू किया है। स्मार्ट कार्ड का शुभारंभ एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. डा. माधवानन्द कर तथा एसबीआई भोपाल सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक प्रवाश कुमार सुबुधि ने किया।

प्रो. डॉ. माधवानन्द कर ने बताया कि स्मार्ट कार्ड के माध्यम से मरीजों को भुगतान के लिए लंबी कतारों में नहीं लगना पड़ेगा और दूर-दराज़ से आने वाले मरीजों को अधिक नकदी साथ रखने की आवश्यकता भी नहीं होगी। इससे पंजीयन, जांच और अन्य अस्पताल सेवाओं के भुगतान की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक तेज और सुविधाजनक होगी। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, मरीज

इस प्री-पेड कार्ड में राशि जमा कर अस्पताल की विभिन्न सेवाओं का भुगतान कर सकेंगे। इससे भुगतान में लगने वाला समय कम होगा और कैश काउंटरों पर भीड़ भी घटेगी। अधिकारियों का कहना है कि यह व्यवस्था मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ अस्पताल में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देगी। इस कार्यक्रम में उप निदेशक (प्रशासन) संदेश जैन, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. (डा.) विकास गुप्ता, उप चिकित्सा अधीक्षक डा. (मेजर) मयंक दीक्षित, एम्स के वरिष्ठ संकाय सदस्य और एसबीआई के वरिष्ठ बैंकिंग अधिकारी मौजूद रहे।

इमरजेंसी वार्ड को दूसरे डिपार्टमेंट में शिफ्ट करने पर भड़के गैस पीड़ित

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल गैस त्रासदी के पीड़ितों का गुस्सा गुरुवार को कमला नेहरू अस्पताल परिसर में फूट पड़ा। चार प्रमुख पीड़ित संगठनों के बैनर तले एकजुट हुए सैकड़ों पीड़ितों ने वहा धरना-प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि गैस पीड़ितों के लिए आरक्षित इमरजेंसी वार्ड और इलाज की सुविधाओं से छेड़छाड़ की गई, तो उग्र आंदोलन छेड़ा जाएगा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इमरजेंसी वार्ड को हमीदिया अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में शिफ्ट करना गैस पीड़ितों को सीधे खतरे में डालने जैसा है। वहां हर वक्त खतरनाक विकिरण (रेडिएशन) का खतरा बना रहता है। दावा किया गया कि परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) की मंजूरी में साफ लिखा है कि संबंधित क्षेत्र को मरीजों का वेटिंग एरिया नहीं बनाया जा सकता। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन और पीईटी-सीटी का ठेका लेने वाली कंपनी पीड़ितों को असुरक्षित जगह पर शिफ्ट कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस बदलाव से पहले न तो कोई सुरक्षा जांच हुई और न ही एईआरबी से मंजूरी ली गई है। वहीं इस मामले में गांधी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. कविता एन सिंह ने कहा कि इमरजेंसी वार्ड और अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित निर्णय शासन स्तर पर लिया गया है। यदि गैस पीड़ितों को इस संबंध में कोई आपत्ति है तो उन्हें संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा करनी चाहिए।

मेट्रो एंकर

राजा भोज एयरपोर्ट पर समर शेड्यूल की 18 उड़ानें घटकर 13 रह गई

भोपाल की उड़ानें हुईं कम, गोवा-जयपुर के बाद नवी मुंबई भी आउट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल। राजधानी की एयर कनेक्टिविटी बढ़ने के बजाय लगातार कम होती जा रही है। राजा भोज एयरपोर्ट से समर शेड्यूल की शुरुआत में संचालित 18 उड़ानों की संख्या अब घटकर 13 रह गई है। गोवा और जयपुर के बाद इंडिगो ने नवी मुंबई की सीधी उड़ान भी बंद कर दी है। वहीं दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु रूट पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती हुई है।

29 मार्च से लागू समर शेड्यूल में भोपाल-दिल्ली रूट पर सात उड़ानें थीं। बाद में एयर इंडिया ने एक उड़ान बंद की और अब इंडिगो की कटौती के बाद इस रूट पर चार उड़ानें रह गई हैं। हैदराबाद के लिए पहले दो उड़ानें थीं, जो अब एक रह गई हैं। बेंगलुरु के लिए भी दो नियमित उड़ानों के बजाय अब एक नियमित और एक साप्ताहिक उड़ान संचालित हो रही है।

नवी मुंबई के लिए शुरू हुई सीधी उड़ान भी कम बुकिंग के चलते बंद कर दी गई। बताया जा रहा है कि यात्री मुंबई के मुख्य एयरपोर्ट से सफर करना अधिक पसंद कर रहे थे। गोवा उड़ान बंद होने से पर्यटन और पारिवारिक यात्राओं की योजना बनाने वाले यात्रियों, खासकर युवाओं को निराशा हुई है।

वर्तमान में भोपाल से दिल्ली, मुंबई, पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, रायपुर और नोएडा के लिए 13 उड़ानें संचालित हो रही हैं। एयरपोर्ट डायरेक्टर आलोक त्रिपाठी ने कहा कि एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। एयर इंडिया एक्सप्रेस एक अगस्त से दिल्ली और मुंबई के लिए सीधी उड़ानें शुरू करेगा।

नवी मुंबई की उड़ान चली, लेकिन यात्री नहीं मिले

भोपाल से नवी मुंबई के नए एयरपोर्ट तक सीधी कनेक्टिविटी शुरू होने पर यात्रियों को उम्मीद थी कि इससे मुंबई क्षेत्र की यात्रा आसान होगी। इंडिगो ने शुरुआती चरण में भोपाल से नवी मुंबई के लिए सीधी उड़ान शुरू की थी। राजा भोज एयरपोर्ट पर इस नई उड़ान का वाटर सैल्यूट के साथ स्वागत भी किया गया था। हालांकि, कुछ ही समय बाद कंपनी ने इस सेवा को बंद कर दिया। बताया जा रहा है कि पर्याप्त यात्री नहीं मिलने के कारण उड़ान का संचालन आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रहा। अधिकांश यात्री मुंबई के मुख्य एयरपोर्ट से यात्रा करना पसंद कर रहे थे। कम बुकिंग को उड़ान बंद होने की प्रमुख वजह माना जा रहा है। इससे भोपाल से नवी मुंबई की सीधी एयर कनेक्टिविटी का सपना फिलहाल अधूरा रह गया।

गोवा उड़ान बंद होने से युवा निराश

भोपाल से गोवा की सीधी उड़ान बंद होने से पर्यटन प्रेमियों और युवाओं को बड़ा झटका लगा है। गोवा देश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल है और भोपाल से बड़ी संख्या में लोग परिवार और दोस्तों के साथ वहां जाते हैं। ट्रेवल्स एजेंट ओमप्रकाश शेरू के मुताबिक, गोवा की उड़ान में टिकट आसानी से उपलब्ध नहीं होते थे और यात्रियों की मांग भी बनी रहती थी। ऐसे में उड़ान बंद करने का फैसला समझ से परे है। भोपाल से गोवा की उड़ान पहले भी बंद की जा चुकी है और अब दोबारा सेवा बंद होने से यात्रियों को कनेक्टिंग फ्लाइट या दूसरे शहरों के एयरपोर्ट का सहारा लेना पड़ेगा। इससे यात्रा का समय और खर्च दोनों बढ़ने की संभावना है। वहीं जयपुर उड़ान बंद होने से भी यात्रियों के विकल्प सीमित हुए हैं।

एमपी नगर : तीन लैपटॉप, नकदी और डीवीआर ले उड़े चोर

भोपाल। एमपीनगर जोन-1 स्थित एक गैस किट शोरूम में बीती रात चोरों ने धावा बोल दिया। बदमाश शोरूम का ताला तोड़कर अंदर घुसे और तीन लैपटाप, नकदी और सीसीटीवी कैमरों की डीवीआर चोरी कर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, 63 वर्षीय संजय गुप्ता एमपी नगर जोन-1 में गैस किट शोरूम संचालित करते हैं। रात में अज्ञात बदमाशों ने शोरूम का ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी गए 3 लैपटॉप की कीमत करीब दो लाख रुपए आंकी गई है। पहचान के साक्ष्य मिटाने के लिए बदमाश डीवीआर भी अपने साथ ले गए। एमपी नगर पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

सीएजी की रिपोर्ट ने खड़े कर दिए गंभीर सवाल, भवनों को किराए पर देकर हो रही कमाई

कामकाजी महिलाओं के नाम पर बड़ा खेल! हॉस्टल बने स्कूल प्रशिक्षण केंद्र

दोपहर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में कामकाजी महिलाओं के लिए बनाई गई हॉस्टल योजना को लेकर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधानसभा में पेश रिपोर्ट के अनुसार, जिन भवनों का निर्माण कामकाजी महिलाओं को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था, उनमें से बड़ी संख्या का उपयोग पूरी तरह अलग कार्यों के लिए किया जा रहा है। कई हॉस्टलों को स्कूल, सरकारी कार्यालय और प्रशिक्षण केंद्र में बदल दिया गया, जबकि कुछ भवन किराये पर देकर आय अर्जित करने के लिए इस्तेमाल किए गए। वर्ष 2019-20 से 2023-24 की अवधि के ऑडिट में प्रदेश के 34 जिलों के सभी 59 हॉस्टलों की जांच की गई। रिपोर्ट में सामने आया कि 22 हॉस्टलों का उपयोग उनके मूल उद्देश्य के बजाय अन्य सरकारी और गैर-निर्धारित कार्यों के लिए किया जा रहा था। इनमें लड़के और लड़कियों के छात्रावास, आशा कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण केंद्र, नगर निकायों के कार्यालय और अन्य सरकारी गतिविधियां संचालित हो रही थीं। कुछ स्थानों पर भवनों को किराये पर देकर आय भी प्राप्त की जा रही थी।

सिर्फ 13 हॉस्टल ही मिले संचालित

सीएजी रिपोर्ट के मुताबिक 31 मार्च 2024 तक केवल 13 हॉस्टल ही पूरी तरह या आंशिक रूप से संचालित पाए गए। चार हॉस्टल पूरी तरह बंद मिले, जबकि तीन हॉस्टलों का कोई स्पष्ट रिकॉर्ड ही उपलब्ध नहीं था। तीन भवनों का निर्माण वर्षों बाद भी पूरा नहीं हो सका और एक हॉस्टल का निर्माण स्वीकृति मिलने के लंबे समय बाद भी शुरू नहीं किया गया। इसके अलावा 12 हॉस्टलों की हालत इतनी खराब मिली कि वे जर्जर या खंडहर जैसी स्थिति में पहुंच चुके हैं।

सुविधाओं के अभाव से खाली पड़े कमरे

जो हॉस्टल संचालित मिले, उनमें भी स्थिति संतोषजनक नहीं थी। रिपोर्ट के अनुसार 13 में से 9 हॉस्टलों में केवल 40 से 50 प्रतिशत कमरे ही भरे हुए थे। सीएजी ने इसके पीछे पुरानी इमारतें, आधुनिक सुविधाओं की कमी, महिलाओं में योजना की जानकारी का अभाव और आवश्यक सेवाओं की अनुपलब्धता को प्रमुख कारण बताया है। इससे स्पष्ट है कि योजना का लाभ लक्षित वर्ग तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच सका।

डे-केयर सेंटर भी नहीं हुए शुरू

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि जिन 11 हॉस्टलों में डे-केयर सेंटर स्थापित किए जाने थे, वहां निरीक्षण के दौरान एक भी केंद्र संचालित नहीं मिला। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए यह व्यवस्था योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा थी, लेकिन इसे लागू ही नहीं किया गया। इतना ही नहीं, कुछ हॉस्टलों में ऐसे लोगों को भी ठहराया जा रहा था, जो इस योजना के पात्र ही नहीं थे।

जरूरत का सर्वे तक नहीं कराया

सीएजी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2019 से 2024 के बीच विभाग ने यह जानने के लिए कोई सर्वे नहीं कराया कि प्रदेश में कामकाजी महिलाओं के लिए नए हॉस्टलों की वास्तविक जरूरत कितनी है। जबकि इसी अवधि में महिलाओं की श्रम भागीदारी दर में वृद्धि दर्ज की गई। इसके बावजूद योजना की समीक्षा और विस्तार की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं की गई।

योजना की निगरानी पर उठे सवाल

रिपोर्ट ने स्पष्ट किया है कि योजना के संचालन, निगरानी और संसाधनों के उपयोग में गंभीर लापरवाही बरती गई। सीएजी ने संकेत दिया है कि यदि समय रहते निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं की गई तो कामकाजी महिलाओं के लिए बनाई गई यह महत्वपूर्ण योजना अपने उद्देश्य से और दूर होती जाएगी। रिपोर्ट के सामने आने के बाद अब सरकार से जवाबदेही तय करने और व्यवस्था में सुधार के लिए प्रभावी कदम उठाने की उम्मीद बढ़ गई है।

नारी सशक्तिकरण मिशन

राष्ट्रीय स्तर के लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भोपाल। मध्यप्रदेश में बालिकाओं और महिलाओं की उन्नति, उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों के समाधान तथा सर्वांगीण विकास को गति देने के उद्देश्य से संचालित नारी सशक्तिकरण मिशन के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए एक राज्यव्यापी लोगो डिज़ाइन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य ध्येय महिला नेतृत्व आधारित विकास (विमेन-लेड डेवलपमेंट) की भावना को सशक्त रूप से रेखांकित करने वाले मौलिक और रचनात्मक विचार को आमंत्रित करना है। प्रतियोगिता को सर्वसमावेशी बनाते हुए इसमें सभी आयु वर्ग के नागरिकों को भागीदारी का अवसर दिया गया है। प्रतिभागी अपनी प्रविष्टि डिजिटल माध्यम से आधिकारिक पोर्टल mp.mygov.in पर 7 अगस्त 2026 तक प्रेषित कर सकते हैं। प्रतियोगिता में निष्पक्षता और मौलिकता को प्राथमिक शर्त रखा गया है, जिसके तहत प्रत्येक प्रतिभागी केवल एक ही प्रविष्टि भेजने के लिए पात्र होगा। डिजाइन संबंधी मानकों के अनुसार, लोगो का रंगीन, उच्च गुणवत्ता (600 डीपीआई) तथा जेपीजी या पीएनजी प्रारूप में होना अनिवार्य है। साथ ही इसका आकार न्यूनतम 5 सेमी म 5 सेमी से लेकर अधिकतम 30 सेमी म 30 सेमी के दायरे में होना चाहिए, ताकि इसे भविष्य में शासकीय पत्राचार, सोशल मीडिया, होर्डिंग्स, ब्रोशर एवं अन्य प्रचार सामग्रियों पर सहजता से अनुकूलित किया जा सके।

दतिया उपचुनाव , पांच दिनों तक दिग्गज नेताओं का जमावड़ा

भाजपा-कांग्रेस ने झोंकी ताकत, सीएम के साथ सिंधिया, जीतू संभालेंगे मोर्चा

दतिया, दोपहर मेट्रो

दतिया विधानसभा उपचुनाव को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने चुनावी अभियान तेज कर दिया है। दोनों ही प्रमुख दलों ने अपनी पूरी ताकत मैदान में झोंक दी है। आने वाले पांच दिनों में दतिया में दिग्गज नेताओं का जमावड़ा देखने को मिलेगा। भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के समर्थन में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जनसमर्थन जुटाएंगे।

भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी के लिए अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी चुनावी मोर्चा संभालने की तैयारी में हैं। विधानसभा सत्र समाप्त होने के बाद कई मंत्री और विधायक दतिया का रुख कर रहे हैं। भाजपा ने चुनाव को लेकर संगठन स्तर पर भी व्यापक रणनीति तैयार की है। छह मंडलों में मंत्रियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि विधायकों को शक्ति केंद्रों की कमान दी गई है। बूथ स्तर पर मोर्चा और प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों को भी सक्रिय कर दिया गया है।

उधर, कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी लगातार सक्रिय हैं। कांग्रेस ने भी चुनाव को माइक्रो-मैनेजमेंट के जरिए लड़ने की रणनीति बनाई है। विधानसभा क्षेत्र को 10 क्लस्टर में बांटकर पूर्व मंत्रियों और विधायकों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। पार्टी का फोकस बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और मतदाताओं से सीधे संपर्क पर है।

होटल फुल, झांसी तक पहुंची नेताओं की आवाजाही

चुनाव प्रचार में दोनों दलों की सक्रियता का असर दतिया के बाजार और होटल कारोबार पर भी नजर आ रहा है। शहर के लगभग सभी प्रमुख होटल नेताओं और कार्यकर्ताओं से भर चुके हैं। स्थिति यह है कि बाहर से आने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं को ठहराने के लिए अब पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के झांसी शहर के होटलों में भी व्यवस्था की जा रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि दोनों दलों ने उपचुनाव को कितनी गंभीरता से लिया है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी लगातार दतिया में संगठनात्मक बैठकें कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने पूरे दिन पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर चर्चा की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 25 जुलाई को दतिया पहुंचने की संभावना है। इस दौरान वे व्यापारी वर्ग के साथ बड़ी बैठक कर सकते हैं। इसके बाद महाजनसंपर्क अभियान में शामिल होने की बात कही जा रही है। 27 जुलाई को मुख्यमंत्री के रोड शो और आमसभा का कार्यक्रम भी प्रस्तावित बताया जा रहा है। भाजपा की ओर से करीब तीन दर्जन से अधिक विधायक, मंत्री, प्रदेश पदाधिकारी और विभिन्न निगम-मंडल व प्राधिकरणों के अध्यक्ष दतिया में डेरा डाले हुए हैं।

बढ़ी जनसंपर्क की रफ्तार

दिग्गज नेताओं के साथ दोनों दलों के प्रत्याशी भी लगातार मैदान में पसीना बहा रहे हैं। गुरुवार को भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने शहर के कई वार्डों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से सीधा संवाद किया। उन्होंने मतदाताओं के बीच दतिया के विकास की रफ्तार को फिर तेज करने का भरोसा दिलाया। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भी ग्रामीण इलाकों में पहुंचकर मतदाताओं से संपर्क किया और अपने पक्ष में समर्थन मांगा। दोनों दलों के कार्यकर्ता भी घर-घर संपर्क अभियान चला रहे हैं। अब चुनाव प्रचार के अंतिम दौर तक भाजपा और कांग्रेस का पूरा फोकस अधिक से अधिक मतदाताओं तक पहुंचने और अपने पक्ष में माहौल बनाने पर रहेगा। दतिया में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों के बीच अब मुकाबला लगातार रोचक होता जा रहा है।

एमपीआरडीसी के एमडी बोले

निर्माण कार्यों में ढिलाई नहीं बर्दाश्त, लापरवाह एजेंसियों के अनुबंध समाप्त करने निर्देश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बारिश के मौसम में सड़कों के उखड़ने और सड़क हादसों की आशंका को देखते हुए मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआरडीसी) ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। एमपीआरडीसी के प्रबंध संचालक भरत यादव ने सभी मुख्य अभियंताओं को ब्लैक स्पॉट्स के साथ-साथ पुअर और वेरी पुअर श्रेणी के पुल-पुलियों का अनिवार्य औचक निरीक्षण करने तथा तत्काल सुधार कार्य कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं इंदौर में निर्माणाधीन परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए संबंधित निर्माण एजेंसियों के खिलाफ अनुबंध समाप्त करने की कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं।

औचक निरीक्षण कर सुधार कार्य कराने के निर्देश- टीएल (समय-सीमा) बैठक में 100 करोड़ से अधिक लागत वाली परियोजनाओं और लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए एमडी भरत यादव ने कहा कि बारिश के दौरान सड़क सुरक्षा से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिए कि विभागीय और औचक निरीक्षण के दौरान सभी ब्लैक स्पॉट्स तथा जर्जर श्रेणी के पुल-पुलियों का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत कार्य तत्काल कराए जाएं।

सुस्त निर्माण एजेंसियों पर सख्त कार्रवाई

बैठक के दौरान इंदौर में निर्माणाधीन फ्लाईओवर, रेलवे अंडर ब्रिज (आरयूबी) और रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) परियोजनाओं की धीमी प्रगति पर प्रबंध संचालक ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसियों को तत्काल नोटिस जारी करने और आवश्यकता पड़ने पर उनका अनुबंध (टर्मिनेट) समाप्त करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा और अतिक्रमण हटाने पर जोर

एमडी ने नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे के पार्किंग स्थलों से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। साथ ही सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं में सर्विस रोड, पार्किंग व्यवस्था और सड़क सुरक्षा के सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। ब्लैक स्पॉट्स के सुधार कार्यों के लिए सभी संभागीय प्रबंधकों को शीघ्र इस्टीमेट भेजने के भी निर्देश दिए गए।

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर मेडिकल इंटर्न्स का प्रदर्शन

24 जुलाई से काम बहिष्कार की चेतावनी सीएम के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के सरकारी मेडिकल कॉलेजों के एमबीबीएस इंटर्न्स और भावी इंटर्न्स ने स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर राजधानी भोपाल में बड़ा शक्ति प्रदर्शन किया। करीब 1200 मेडिकल इंटर्न्स और विद्यार्थियों ने हमीदिया अस्पताल गेट नंबर-2 से कलेक्ट्रेट तक शांतिपूर्ण पदयात्रा निकालकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इंटर्न्स की प्रमुख मांग है कि वर्तमान में मिलने वाला 14,337 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए। इंटर्न्स ने स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो 24 जुलाई से प्रदेशभर के एमबीबीएस इंटर्न्स चिकित्सीय कार्य का बहिष्कार करेंगे। उनका कहना है कि सम्मानजनक स्टाइपेंड मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। इंटर्न्स ने बताया कि स्टाइपेंड वृद्धि को लेकर उनका आंदोलन 9 जुलाई से लगातार जारी है। इस दौरान भोपाल, जबलपुर, सागर, रीवा, इंदौर और दतिया समेत विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों के अधिष्ठाताओं को ज्ञापन सौंपे गए।

मंत्री, अफसरों और सीएमओ तक पहुंचाई मांग

आंदोलन के दौरान 14 जुलाई को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री कार्यालय में ज्ञापन दिया गया। बाद में राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल से मुलाकात कर भी अपनी मांग रखी गई। 20 जुलाई को अपर मुख्य सचिव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा और संचालक चिकित्सा शिक्षा (डीएमई) से भी प्रतिनिधिमंडल ने चर्चा की। इसके अलावा वित्त विभाग, वित्त मंत्री, उपमुख्यमंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय को भी ज्ञापन भेजे गए, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं होने से इंटर्न्स में नाराजगी बनी हुई है।

चाय की चुस्की के साथ आम लोगों से संवाद

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खुद बनाई चाय

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सड़क मार्ग से इंदौर के लिए रवाना हुए। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने रास्ते में कई स्थानों पर रुककर आम नागरिकों से मुलाकात की और उनसे संवाद किया। मुख्यमंत्री के अचानक आम लोगों के बीच पहुंचने से स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखने को मिला। सड़क मार्ग से यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव धार जिले के राजगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने एक टी स्टॉल पर कुछ देर रुककर स्वयं चाय बनाई और चाय विक्रेता से उसके कामकाज एवं व्यवसाय के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने चाय विक्रेता से बातचीत करते हुए उसके व्यवसाय से जुड़े अनुभव भी जाने। इस दौरान टी स्टॉल पर मौजूद नागरिकों से भी उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा की और उनकी बातें सुनीं।

महाकाल की पहली सवारी से पहले परखीं तैयारियां

गड्ढे और नालियां बंद करने के साथ बैरिकेडिंग करने के निर्देश

उज्जैन। श्रावण मास में भगवान महाकाल की पहली सवारी (3 अगस्त) और नागपंचमी पर्व (17 अगस्त) को लेकर जिला प्रशासन अब पूरी तरह फील्ड मोड में आ गया है। गुरुवार को एडीजी राकेश गुप्ता, संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा समेत प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने महाकाल मंदिर से लेकर पूरे सवारी मार्ग तक पैदल निरीक्षण कर तैयारियों की हकीकत परखी।

अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पहली सवारी निकलने से पहले सभी निर्माण कार्य पूरे हों, मार्ग पर कहीं भी खुले गड्ढे या नालियां न रहें और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा में किसी प्रकार की कमी नहीं हो। निरीक्षण की शुरुआत कर्कराज पार्किंग से हुई।

यहां से अधिकारियों ने गोंड बस्ती, चारधाम मंदिर के पास बनाए गए होल्डिंग एरिया, हरसिद्धि चौराहा, बड़ा गणेश मंदिर और महाकाल मंदिर तक पैदल भ्रमण कर नागपंचमी के दौरान बनने वाली दर्शन व्यवस्था की समीक्षा की। कतार प्रबंधन, बैरिकेडिंग, पार्किंग, पेयजल, विश्राम स्थल, स्वच्छता और दिशा-सूचक बोर्ड जैसी व्यवस्थाओं

मेट्रो एंकर | **पोषण और तकनीक पर रहेगा सरकार का खास फोकस**

सेमिनार: भोपाल से निकला खाद्य सुरक्षा का नया रोडमैप

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) को और अधिक प्रभावी तथा जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग और मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का भोपाल में समापन हुआ। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013: प्रगति, चुनौतियां और आगे की राह विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर के नीति-निर्माताओं, वरिष्ठ अधिकारियों, शिक्षाविदों, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों और विभिन्न राज्यों के खाद्य आयोगों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर खाद्य और पोषण सुरक्षा को मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा की।

कुपोषण और मातृ स्वास्थ्य पर गंभीर चिंता

दूसरे दिन आयोजित सत्रों में बच्चों और महिलाओं के पोषण से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों का हवाला देते हुए बच्चों में कुपोषण, ठिगनेपन और महिलाओं में एनीमिया जैसी चुनौतियों पर चिंता जताई। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा और खाद्य विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा जीवन के शुरुआती एक हजार दिनों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। पंजाब, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, मेघालय और छत्तीसगढ़ सहित कई राज्यों के प्रतिनिधियों ने खाद्य सुरक्षा, शिकायत निवारण, डिजिटल व्यवस्था और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े अपने सफल अनुभव साझा किए। इन मॉडलों को अन्य राज्यों में भी लागू करने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई।

सेमिनार का उद्घाटन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम केवल राशन वितरण की योजना नहीं, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों को सम्मानजनक जीवन देने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगभग 28 हजार उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से 5 करोड़ से अधिक लाभार्थियों तक खाद्यान्न पहुंचाया जा रहा है। साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में ÷राशन आपके द्वार÷ योजना, लाभार्थियों के लिए संदेश आधारित सूचना प्रणाली, दिव्यांगजनों के लिए प्रॉक्सी व्यवस्था और बुजुर्गों के लिए विशेष सहायता जैसी पहलें भी प्रभावी ढंग से संचालित की जा रही हैं।

सेमिनार के तकनीकी सत्रों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए तकनीकी उपायों पर विशेष जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि मध्यप्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लगभग पूर्ण कंप्यूटरीकरण हो चुका है। अधिकांश लाभार्थियों की ई-केवाईसी पूरी की जा चुकी है, आइरिस आधारित ई-पीओएस मशीनें स्थापित की जा रही हैं और %वन नेशन, वन राशन कार्ड% व्यवस्था के माध्यम से देशभर में राशन की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है।

उद्योगों का सुनहरा दौर

भारतीय अर्थव्यवस्था की धड़कन को यदि किसी एक सूचकांक में महसूस किया जा सकता है, तो वह कोर सेक्टर है। बिजली के तारों से लेकर इस्पात की भट्टियों तक, कोयले की खदानों से लेकर सीमेंट के कारखानों तक- यहीं से विकास की असली कहानी शुरू होती है। जून के आंकड़ों ने इसी कहानी में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंची उत्पादन वृद्धि केवल प्रतिशतों का खेल नहीं, बल्कि उस भरोसे की वापसी है जिसकी तलाश उद्योग जगत लंबे समय से कर रहा था। इस बार सबसे बड़ी चर्चा किसी पुराने क्षेत्र की नहीं, बल्कि एक नए सहभागी की है। लौह अयस्क को पहली बार कोर इंडस्ट्रीज इंडेक्स में शामिल किया गया है और उसने अपने पहले ही प्रदर्शन में सबसे प्रभावशाली भूमिका निभाई है। लगभग 44 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत की औद्योगिक मशीनरी को गति देने में लौह अयस्क अब केवल एक कच्चा माल नहीं, बल्कि आर्थिक विकास का केंद्रीय स्तंभ बन चुका है। इस एक बदलाव ने कोर सेक्टर की तस्वीर को अधिक व्यापक और वास्तविक बना दिया है। यह परिवर्तन ऐसे समय आया है जब सरकार ने 2022-23 को नया आधार वर्ष स्वीकार करते हुए कोर इंडस्ट्रीज इंडेक्स की पूरी संरचना को आधुनिक बनाया है। इस्पात और कोयले के उत्पादन की गणना पद्धति में भी संशोधन किया गया है, जिससे आंकड़े अब वास्तविक उत्पादन क्षमता का अधिक सटीक प्रतिबिंब प्रस्तुत करेंगे। आर्थिक नीतियां तभी प्रभावी बनती हैं जब उनका आधार विश्वसनीय आंकड़े हों। इसलिए यह बदलाव केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि नीति निर्माण की गुणवत्ता को मजबूत करने वाला कदम है। जून की यह तेजी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मई के आंकड़ों ने चिंता पैदा कर दी थी। कच्चे तेल, रिफाइनरी उत्पादों और कोयले में सुस्ती ने यह आशंका जगा दी थी कि कहीं औद्योगिक विकास की रफ्तार फिर धीमी न पड़ जाए। लेकिन बिजली, कोयले और विशेष रूप से लौह अयस्क के बेहतर प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि भारतीय उद्योगों की ऊर्जा अभी समाप्त नहीं हुई है। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण क्षेत्र में लगातार हो रहा निवेश अब उत्पादन के आंकड़ों में भी दिखाई देने लगा है। फिर भी उत्साह के साथ सावधानी भी आवश्यक है। पेट्रोलियम क्षेत्र की कमजोरी और वैश्विक बाजार की अनिश्चितताएं अब भी चुनौती बनी हुई हैं।

राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस

थर्मल इंजीनियरिंग का नया मंत्र क्लीन एनर्जी के साथ सुरक्षित भविष्य

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

थर्मल इंजीनियरिंग के महत्व और योगदान को मान्यता देने के लिए प्रतिवर्ष 24 जुलाई को 'राष्ट्रीय थर्मल इंजीनियर दिवस' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य थर्मल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाना और इसके महत्व को सार्वजनिक स्तर पर उजागर करना है। दरअसल थर्मल इंजीनियरिंग ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा प्रबंधन इत्यादि विभिन्न क्षेत्रों में उपयोगी होती है। थर्मल इंजीनियरिंग उन अवस्थाओं के अध्ययन और उपयोग को समझने में सहायक होती है, जहां ऊष्मा, ऊर्जा और उसकी व्यवस्था का विशेष महत्व होता है। थर्मल इंजीनियरिंग मैकेनिकल इंजीनियरिंग का ही एक विशेष उप-विषय है, जो ऊष्मा ऊर्जा की गति और स्थानांतरण से संबंधित है। ऊर्जा को दो माध्यमों के बीच स्थानांतरित किया जा सकता है अथवा ऊर्जा के अन्य रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है।

एक थर्मल इंजीनियर का कार्य यांत्रिक प्रणालियों का रखरखाव, निर्माण या मरम्मत करना है, जिसमें ऊर्जा के अन्य रूपों में ऊष्मा हस्तांतरण प्रक्रिया शामिल होती है। थर्मल इंजीनियर विश्लेषण करता है कि यांत्रिक ऊष्मा स्रोत विभिन्न भौतिक और औद्योगिक प्रणालियों के साथ कैसे इंटरैक्ट करते हैं। घरों तथा गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले एयरकंडीशनर तथा रेफ्रिजरेटरों में थर्मल इंजीनियरिंग का इस्तेमाल होता है। थर्मल इंजीनियरिंग के जरिये इंजीनियर ऊष्मा को अलग-अलग माध्यमों में उपयोग करने के अलावा ऊष्मीय ऊर्जा को दूसरी ऊर्जा में भी परिवर्तित कर सकते हैं। थर्मल इंजीनियरिंग वास्तव में बंद या खुले वातावरण में वस्तुओं को गर्म या ठंडा रखने की प्रक्रिया है और थर्मल इंजीनियर ऊष्मीय ऊर्जा को केमिकल, मैकेनिकल या विद्युतीय ऊर्जा में परिवर्तित करने के लिए विभिन्न प्रकार की मशीनें तैयार करते हैं, जिनके जरिये वे ऊष्मा को नियंत्रित करते हैं। हमारे घरों या दफ्तरों में इस्तेमाल होने वाली बिजली इसी ऊष्मीय ऊर्जा से बनती है और यह बिजली बनाने का काम करते हैं थर्मल पावर स्टेशन।

ऊष्मीय शक्ति संयंत्र या ताप विद्युत केन्द्र के नाम से भी जाने जाने वाले थर्मल पावर स्टेशन ऐसे विद्युत उत्पादन संयंत्र होते हैं, जिनमें प्रमुख टरबाइनें भाप से चलाई जाती हैं और यह भाप कोयला, गैस इत्यादि को जलाकर पानी को गर्म करके प्राप्त की जाती है। पानी गर्म करने के लिए ईंधन का प्रयोग किया जाता है, जिससे उच्च दाब पर भाप बनती है और बिजली पैदा करने के लिए इसी भाप से टरबाइनें चलाई जाती हैं। थर्मल पावर स्टेशनों में ऊष्मीय ऊर्जा को बिजली में परिवर्तित किया जाता है और इसके लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का इस्तेमाल किया जाता है। भाप बनाने के लिए पानी को उच्च तापमान पर गर्म किया जाता है, जिसके लिए कोयला, सोलर हीट, न्यूक्लियर हीट, कचरा तथा बायो ईंधन उपयोग किया जाता है। दुनिया के कई देशों में अभी भी बिजली पैदा करने के लिए भाप से चलने वाली टरबाइनों का उपयोग किया जाता है किन्तु पर्यावरणीय खतरों को देखते हुए अब धीरे-धीरे बिजली पैदा करने के लिए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के अन्य स्रोतों को ही महत्व दिया जाने लगा है। भारत में इस दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों मेगावाट क्षमता की कुछ अत्याधुनिक मेगा सौर ऊर्जा परियोजनाएं शुरू भी की गई हैं। हजारों मेगावाट के कुछ सोलर प्लांट पहले से ही ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दे भी रहे हैं। दरअसल थर्मल पावर स्टेशनों में भाप पैदा करने के लिए कोयला जलाने से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचती है क्योंकि इस प्रक्रिया में निकलने वाली हानिकारक गैसें हवा में मिलकर पर्यावरण को बुरी तरह प्रदूषित करती हैं, साथ ही कोयला या अपशिष्ट जलाने के बाद बचने वाले अवशेषों के निबटारे की भी बड़ी चुनौती मौजूद रहती है।

हालांकि भारत में थर्मल पावर स्टेशनों में बिजली पैदा करने के लिए कोयले के अलावा ऊर्जा के अन्य स्रोतों का भी इस्तेमाल किया जाता है किन्तु अधिकांश बिजली कोयले के इस्तेमाल से ही पैदा होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कोयले को जलाया जाना और इससे होने वाली गर्मी, पारे के प्रदूषण का मुख्य कारण है। विश्वभर में करीब चालीस फीसदी बिजली कोयले से प्राप्त होती है जबकि भारत में करीब साठ फीसदी बिजली कोयले से, सोलह फीसदी अक्षय ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा बायो गैस से, चौदह फीसदी पानी से, आठ फीसदी गैस से, 1.8 फीसदी न्यूक्लियर ऊर्जा से तथा 0.3 फीसदी डीजल से पैदा होती है। वैसे बिजली पैदा करने के लिए भले ही ऊर्जा के किसी भी स्रोत का इस्तेमाल किया जाए, प्रत्येक थर्मल पावर प्लांट में इसके लिए बॉयलर का इस्तेमाल होता है, जिसमें ईंधन को जलाकर ऊष्मीय ऊर्जा पैदा की जाती है, जिससे पानी को गर्म कर भाप बनाई जाती है, जो टरबाइनों को चलाने में इस्तेमाल होती है।

माना जा रहा है कि उत्सर्जन मानकों का पालन करने में देरी के चलते सालभर में 70 हजार से ज्यादा मौतें समय पूर्व हो रही हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत संस्था ग्रीनपीस के अनुसार यदि उत्सर्जन मानकों को समय से लागू किया जाता तो सल्फर डाईऑक्साइड में 48 फीसदी, नाइट्रोडन डाई ऑक्साइड में 48 फीसदी और पीएम उत्सर्जन में 40 फीसदी तक की कमी की जा सकती थी, जिससे समय पूर्व हो रही इन मौतों से बचा जा सकता था। थर्मल पावर प्लांटों में बिजली बनाए जाने के लिए कोयला जलाने के दौरान उससे बनी राख का 10 फीसदी से भी अधिक हिस्सा चिमनियों के जरिये धुएं के साथ ही वातावरण में घुल जाता है, जो गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं का कारण बनता है। बहरहाल, आज जिस प्रकार दुनियाभर में पर्यावरणीय खतरों के मद्देनजर थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल पर रोक लगाते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे में भारत को भी कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांट के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी को प्रोत्साहन देना चाहिए। समय के साथ अब जरूरत इसी बात की है कि हम अक्षय ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाएं और बिजली बनाने के लिए चरणबद्ध तरीके से ऊर्जा के इन्हीं सुरक्षित स्रोतों के इस्तेमाल को बढ़ावा दें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

एआई, बायोमेट्रिक और डिजिटल निगरानी से मजबूत हो सकती है परीक्षा प्रणाली

सत्यजीत दत्ता
स्तंभकार

हर साल भारत में करोड़ों विद्यार्थी अपनी प्रतियोगी और प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होते हैं। नीट, जेईई और एसएससी से लेकर बैंकों और रेलवे में भर्ती के लिए होने वाली अन्य राज्य स्तरीय परीक्षाओं तक, ये सभी लाखों लोगों के भविष्य से जुड़ी होती हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि परीक्षा की इस पूरी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा केवल एक प्रशासनिक कार्य नहीं है, यह लोगों के भरोसे का भी विषय है। हाल के समय में पेपर लीक, प्रतिरूपण, और परीक्षा केंद्रों में होने वाली गड़बड़ियों की घटनाओं ने इस भरोसे के लिए हमेशा एक खतरा पैदा किया है। यही कारण है कि अब परीक्षाओं की प्रक्रिया में एआई और बायोमेट्रिक्स को एकीकृत करने की आवश्यकता है।

पारंपरिक परीक्षा प्रणाली में उम्मीदवारों की पहचान का मैनुअल सत्यापन काफी हद तक इविजिलेटर द्वारा प्रवेश पत्र और पहचान प्रमाण के भौतिक मिलान पर निर्भर करता था। मैनुअल सत्यापन की प्रक्रिया में इस खामी के कारण विभिन्न परीक्षाओं में प्रतिरूपण और फर्जी उम्मीदवारी की घटनाएं होती रही हैं। फिंगरप्रिंट और फेशियल रिकग्निशन के माध्यम से बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण इस समस्या को काफी हद तक हल करने में मदद करता है। डिजिटल माध्यम से उम्मीदवार की पहचान का सत्यापन प्रतिरूपण की गुंजाइश को न के बराबर छोड़ देता है। यह जहां परीक्षा संचालन करने वाली संस्थाओं के लिए बड़ी राहत की बात होगी, वहीं यह उन ईमानदार उम्मीदवारों के लिए न्याय का भी कार्य है जो वर्षों की पढ़ाई के बाद परीक्षा देने आते हैं।

एआई तकनीक से संचालित सीसीटीवी निगरानी एक कदम और आगे जाती है। पारंपरिक सीसीटीवी कैमरों का इस्तेमाल ज्यादातर फुटेज रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता था, जिसका विश्लेषण घटना घटित होने के बाद किया जा सकता था। एआई से युक्त सीसीटीवी कैमरे उम्मीदवार के असामान्य व्यवहार, जैसे लगातार इधर-उधर देखना, अनधिकृत सामग्री का कब्जा और परीक्षा हॉल में बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश का पता लगा सकते हैं। एक केंद्रीय रूप से नियंत्रित कमांड कंट्रोल सेंटर के साथ जीरो ब्लाइंड स्पॉट निगरानी प्रणाली सैकड़ों परीक्षा केंद्रों की एक साथ, बिना किसी चूक के निगरानी करने की अनुमति देगी।

यह केवल परीक्षा हॉल तक ही सीमित नहीं है; प्रश्न पत्रों की छपाई, पैकिंग और परिवहन जैसी अन्य प्रक्रियाएं भी हैं जिनके लिए समान सावधानी की आवश्यकता होती है। सुरक्षित प्रिंटिंग जोन, डिजिटल निगरानी और नियंत्रित पहुंच का उपयोग यह सुनिश्चित करता है कि प्रश्न पत्र परीक्षा शुरू होने तक अपनी पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षित रहें। पेपर लीक परीक्षा हॉल के बाहर, आपूर्ति श्रृंखला की ऐसी ही किसी कमजोर कड़ी में होते हैं, इसलिए तकनीक आधारित निगरानी का उपयोग पूरी प्रक्रिया में किया जाना चाहिए।

अब आंकड़ों में भी इस बात का प्रमाण है कि तकनीक आधारित परीक्षाएं काम करती हैं। आधुनिक तकनीक से युक्त मानकीकृत रूप के परीक्षा केंद्र कम समय में लाखों उम्मीदवारों की सफल परीक्षाएं संचालित कर रहे हैं और कई राज्यों ने सरकारी परीक्षाओं के लिए इन्हें एक पसंदीदा मानक के रूप में सुझाया है। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक अकेले इसका जवाब नहीं है। एआई और निगरानी का उपयोग तभी लाभदायक है जब इसके साथ स्पष्ट और पारदर्शी प्रक्रियाएं मौजूद हों, आवश्यक विशेषज्ञता के साथ इन्हें संभालने वाले कर्मचारी हों और साथ ही लोगों को जवाबदेह बनाने वाला ढांचा हो। यह तकनीकी उपकरण है जो अनियमितताओं का पता लगा सकता है लेकिन संस्था की क्षमता यह तय करती है कि इस चेतावनी पर कितनी तेजी से ध्यान दिया जा सकता है और कार्रवाई की जा सकती है।

भारत जैसे देश के आकार को देखते हुए, जहां एक ही परीक्षा के लिए करोड़ों विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं, इस प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखना कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। लेकिन एआई, बायोमेट्रिक निगरानी और डिजिटल निगरानी के रूप में तकनीक के उचित क्रियान्वयन से यह सुनिश्चित होगा कि सभी विद्यार्थियों को एक समान, सुरक्षित और निष्पक्ष अवसर मिले।

भारत की तुलना में दुनिया के कई अन्य देशों में परीक्षा प्रणाली अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर काम करती है इसलिए उनके मॉडल को जस का तस भारत में लागू करना संभव नहीं है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन जैसे देशों में भी बायोमेट्रिक सत्यापन और डिजिटल निगरानी का इस्तेमाल बढ़ रहा है, लेकिन वहां परीक्षा केंद्रों की संख्या और उम्मीदवारों का आकार भारत जितना विशाल नहीं है। भारत को अपनी भौगोलिक विविधता, भाषाई अंतर और शहरी-ग्रामीण असमानता को ध्यान में रखते हुए ऐसा मॉडल तैयार करना होगा जो छोटे शहरों और कस्बों के परीक्षा केंद्रों में भी उतनी ही प्रभावी ढंग से काम करे जितना बड़े महानगरों में करता है। यही कारण है कि तकनीक को स्थानीय जरूरतों के अनुसार ढालना उतना ही जरूरी है जितना उसे अपनाना।

इस पूरी प्रक्रिया में निवेश और लागत का सवाल भी स्वाभाविक रूप से उठता है। किसी को यह लग सकता है कि एआई आधारित निगरानी और बायोमेट्रिक सत्यापन जैसी तकनीकें महंगी होंगी, लेकिन इसे एक दीर्घकालिक निवेश के रूप में देखना जरूरी है। एक पेपर लीक या परीक्षा रद्द होने से जो आर्थिक और सामाजिक नुकसान होता है, वह तकनीक में किए गए निवेश से कहीं अधिक होता है। दोबारा परीक्षा कराने की प्रशासनिक लागत, विद्यार्थियों के समय की बर्बादी और सबसे बढ़कर व्यवस्था पर उठने वाला सवाल, ये सभी मिलकर यह साबित करते हैं कि सही तकनीक में शुरुआती निवेश आगे चलकर कहीं अधिक बचत लाता है।

अंततः, परीक्षा प्रणाली में सुधार केवल तकनीक अपनाने भर से नहीं होगा। इसके लिए एक समग्र दृष्टिकोण चाहिए, जिसमें तकनीक, प्रक्रिया, प्रशिक्षित कर्मचारी और जवाबदेही की संस्कृति, सभी शामिल हों। जब यह सभी तत्व मिलकर काम करते हैं, तभी परीक्षा हॉल विद्यार्थियों के लिए ऐसी जगह बन पाता है जहां उनकी मेहनत और काबिलियत ही एकमात्र मानदंड होते हैं, न कि व्यवस्था की खामियां। भारत जैसे विशाल और विविध देश में यह भरोसा कायम रखना ही वास्तव में शिक्षा और अवसर की समानता की नींव है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

40 की उम्र के बाद रीढ़ की हड्डी का रखें ध्यान, छोटी लापरवाही...बड़ी परेशानी

40 वर्ष की आयु के बाद शरीर में कई प्राकृतिक बदलाव शुरू हो जाते हैं। इन्हीं में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) में होने वाला क्षरण है। उम्र बढ़ने के साथ रीढ़ की डिस्क में पानी की मात्रा कम होने लगती है, जिससे उनकी लचक घटती है। परिणामस्वरूप कमर दर्द, गर्दन दर्द, साइटिका, स्लिप डिस्क और स्पाइनल स्टेनोसिस जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार 40 वर्ष के बाद लगातार बैठकर काम करना, बढ़ता वजन, शारीरिक गतिविधि की कमी और गलत मुद्रा (पोश्चर) स्पाइन पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप पर झुककर काम करने से गर्दन की प्राकृतिक बनावट प्रभावित होती है, जिसे आजकल 'टेक्स्ट नेक' सिंड्रोम भी कहा जाता है।

महिलाओं में रजोनिवृत्ति (मेनोपॉज) के बाद हड्डियों का घनत्व तेजी से कम हो सकता है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा बढ़ता है और मामूली गिरने पर भी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो सकता है। पुरुषों में भी उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं, जिससे रीढ़ को मिलने वाला प्राकृतिक सहारा कम हो जाता है।

अच्छी बात यह है कि अधिकांश समस्याओं से समय रहते बचाव संभव है। नियमित रूप से 30-40 मिनट पैदल चलना, पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम करना तथा वजन नियंत्रित रखना स्पाइन को स्वस्थ रखने में मदद करता है। बैठते समय कमर को उचित सहारा दें और हर 30-40 मिनट में कुछ देर खड़े होकर शरीर को स्ट्रेच करें।

कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन-डी से भरपूर संतुलित आहार हड्डियों को मजबूत बनाए रखता है। धूम्रपान और अत्यधिक शराब का सेवन डिस्क और हड्डियों की सेहत पर प्रतिकूल असर डाल सकता है, इसलिए इनसे बचना चाहिए।

यदि कमर या गर्दन का दर्द लगातार तीन-चार सप्ताह तक बना रहे, दर्द के साथ हाथ या पैर में सुन्नपन, कमजोरी, झुनझुनी या पेशाब-पाखाने पर नियंत्रण में बदलाव जैसे लक्षण दिखाई दें, तो बिना देर किए विशेषज्ञ चिकित्सक से जांच करानी चाहिए। समय पर इलाज से अधिकांश मरीज बिना सर्जरी के भी राहत पा सकते हैं।

स्पाइन स्वस्थ रखने के सुनहरे नियम: रोज कम से कम 30 मिनट पैदल चलें।, हर 30-40 मिनट में कुर्सी से उठकर स्ट्रेचिंग करें।, भारी सामान उठाते समय घुटनों को मोड़ें, कमर को नहीं।, कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन-डी युक्त भोजन लें।, वजन नियंत्रित रखें और धूम्रपान से बचें।, लगातार दर्द, सुन्नपन या कमजोरी होने पर तुरंत स्पाइन विशेषज्ञ से परामर्श लें।

निशाना

कलयुग की बारिश ..!

अनिल कुमार साकेत

मौसम विभाग ने शान से कहा, आज धूप खिलेगी,
इंद्रदेव बोले- आज तो सीधे बाढ़ मिलेगी !
'आसमान में बादल, जैसे बॉस का फरमान,
बूँदें बाद में उतरीं, बिजली ने पहले कट लगाया ! '
'वर्क फ्रॉम होम' वाले लैपटॉप लेकर दुबक गए,
वाई-फाई के सिग्नल, बादलों को देखते ही सरक गए।
सड़कों पर पानी भरा, तो लगा वेनिस आ गए हम,
'गड्ढे इतने गहरे दिखे कि विकास का रास्ता हम ! '
निगम वाले फाइलों में 'ड्रेनेज सिस्टम' चमका रहे थे,
आम लोग सड़कों पर अपनी गाड़ियों
को तैरना सिखा रहे थे।
ऑटो वाले ने 'स्पेस शटल' का
किराया मांग लिया,
रुपए पचास की दूरी है बाबूजी, मौसम देखकर
रुपए दो सौ का डाका डाल दिया।'

न्यू इनिशिएटिव

भारत बनाएगा अपना AI दिमाग, सरकार ने किया 12 बड़े और 8 छोटे भाषा मॉडल का चयन

भारत अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार ने 'इंडिया-एआई मिशन' के तहत 20 स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) मॉडल विकसित करने के लिए उनका चयन किया है। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार इनमें 12 बड़े और 8 छोटे लैंग्वेज मॉडल शामिल हैं।

सरकार का उद्देश्य भारत की भाषाओं, जरूरतों और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप AI तैयार करना है, ताकि देश विदेशी तकनीकों पर कम निर्भर रहे। इन मॉडलों के विकास में भारतीय स्टार्टअप, शोध संस्थान और तकनीकी कंपनियों को सहयोग दिया जाएगा। बड़े लैंग्वेज मॉडल ऐसे AI सिस्टम होते हैं, जिन्हें अरबों शब्दों के डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है। यही तकनीक चैटबॉट, कंटेंट लेखन, अनुवाद, प्रोग्रामिंग और सवाल-जवाब जैसे कार्यों में इस्तेमाल होती है। दूसरी ओर, छोटे लैंग्वेज मॉडल सीमित संसाधनों में तेजी से काम करते हैं और इन्हें मोबाइल फोन, छोटे उपकरणों तथा विशेष उद्योगों की जरूरतों के लिए तैयार किया जाता है। सरकार का मानना है कि स्वदेशी AI मॉडल बनने से भारतीय भाषाओं में डिजिटल सेवाओं का विस्तार होगा। इससे शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, न्याय, प्रशासन और ई-गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में AI का अधिक प्रभावी उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही, देश में AI रिसर्च, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट के क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि सरकार केवल AI के विकास पर ही नहीं, बल्कि उससे जुड़े संभावित खतरों पर भी समान रूप से ध्यान दे रही है। इसके लिए जिम्मेदार और सुरक्षित AI के विकास पर जोर दिया जा रहा है, ताकि तकनीक का दुरुपयोग रोका जा सके और उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता तथा डेटा सुरक्षा सुनिश्चित हो। विशेषज्ञों का मानना है कि जिस तरह भारत ने डिजिटल भुगतान और यूपीआई के जरिए दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई, उसी तरह स्वदेशी AI मॉडल देश को वैश्विक AI प्रतिस्पर्धा में मजबूत स्थान दिला सकते हैं। यदि ये मॉडल सफल होते हैं, तो भारत अपनी भाषाओं और जरूरतों के अनुरूप AI समाधान विकसित करने वाले अग्रणी देशों में शामिल हो सकता है।

अजब-गजब

16 साल तक गुम जहाज़ अचानक मिला! बर्फ में दबी रही इतिहास की अनोखी कहानी

दुनिया में कई ऐसी घटनाएं हुई हैं जो किसी रहस्य से कम नहीं लगतीं। ऐसी ही एक चौंकाने वाली घटना अंटार्कटिका में घटी, जहां एक विमान 16 वर्षों तक बर्फ के नीचे दबा रहा और बाद में वैज्ञानिकों ने उसे फिर से खोज निकाला।

यह घटना अमेरिकी विमान लॉकहीड C-47 'डकोटा' से जुड़ी है। वर्ष 1952 में यह विमान अंटार्कटिका में वैज्ञानिक अभियान के दौरान खराब मौसम और तकनीकी दिक्कतों के कारण बर्फ पर आपातकालीन लैंडिंग करने को मजबूर हुआ। विमान में मौजूद सभी लोग सुरक्षित बचा लिए गए, लेकिन विमान वहीं छोड़ दिया गया।

अंटार्कटिका की बर्फ लगातार खिसकती रहती है। धीरे-धीरे यह विमान मोटी बर्फ की परतों के नीचे दब गया और वर्षों तक उसका कोई पता नहीं चला। समय के साथ वह अपनी मूल जगह से कई किलोमीटर दूर भी खिसक गया। करीब 16 साल बाद वैज्ञानिकों ने विशेष रडार तकनीक की मदद से बर्फ के नीचे दबे इस विमान का पता लगाया। खोजी दल ने जब खुदाई की तो सब हैरान रह गए। विमान का बड़ा हिस्सा बर्फ में सुरक्षित अवस्था में मिला। अत्यधिक ठंड और ऑक्सीजन की कमी के कारण उसमें जंग भी अपेक्षाकृत कम लगी थी।

इसके बाद विमान के कुछ हिस्सों को बाहर निकालकर संरक्षित किया गया। यह खोज केवल एक पुराने विमान को ढूंढने भर की नहीं थी, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में भी मदद मिली कि अंटार्कटिका की बर्फ किस गति से खिसकती है और दशकों में प्राकृतिक परिस्थितियां किस तरह वस्तुओं को अपनी गिरफ्त में ले लेती हैं। इस घटना ने दुनिया भर के इतिहासकारों और वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया। यह इस बात का भी उदाहरण है कि आधुनिक तकनीक से वर्षों पुराने रहस्यों से पर्दा उठाया जा सकता है। आज भी अंटार्कटिका की बर्फ के नीचे कई पुराने विमान, वैज्ञानिक उपकरण और अभियानों के अवशेष दबे होने की संभावना जताई जाती है।

न्यूज विंडो

कुत्ते की बहादुरी से बची 16 वर्षीय छात्र की जान, भालू से जूझता रहा किशोर

नर्मदापुरम। सतपुड़ा के जंगल से लगे क्षेत्र में एक 16 वर्षीय छात्र पर भालू ने हमला कर दिया। करीब पांच मिनट तक चले इस जानलेवा संघर्ष में छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया, लेकिन उसके पालतू कुत्ते की बहादुरी और सूझबूझ से उसकी जान बच गई। घायल छात्र के शरीर पर करीब 30 टांके लगाए गए हैं और उसका उपचार इटारसी के शासकीय अस्पताल में जारी है। जानकारी के अनुसार सुखतवा निवासी विकलेश कासदे (16), जो कक्षा 11वीं (आर्ट्स) का छात्र है, जंगल में पालतू मवेशी लेने गया था। इसी दौरान अचानक भालू उसके सामने आ गया और उस पर हमला कर दिया। भालू ने विकलेश को जमीन पर गिराकर दबोच लिया। करीब चार से पांच मिनट तक दोनों के बीच संघर्ष चलता रहा। घटना के दौरान विकलेश के साथ गया उसका पालतू कुत्ता लगातार भौंकता रहा, कुत्ते के आक्रामक तेवर से भालू घबरा गया और जंगल की ओर भाग निकला। इसके बाद घायल अवस्था में विकलेश ने मोबाइल फोन से अपने पिता रमेश कासदे को सूचना दी। घटनास्थल घर से करीब दो किलोमीटर दूर होने के कारण परिजन तत्काल मौके पर पहुंचे और उसे इटारसी के शासकीय अस्पताल लेकर आए, जहां उसका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार भालू के दांत लगने से विकलेश के पेट में गहरा घाव हुआ, जिस पर 10 टांके लगाए गए हैं। वहीं बाएं पैर के पंजे पर भालू के पंजों से 3 से 4 इंच लंबा गहरा घाव हो गया, जिस पर 20 से 25 टांके लगाने पड़े। कुल मिलाकर उसके शरीर पर करीब 30 टांके आए हैं। घायल छात्र के पिता रमेश कासदे ने बताया कि वे मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनके पांच बच्चे हैं और विकलेश चौथे नंबर का बेटा है।

मूंग खरीदी केंद्र पर किसानों ने दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा

नरसिंहपुर। जिले के गाडरवारा क्षेत्र स्थित मां रेवा वेयरहाउस के मूंग खरीदी केंद्र पर किसानों ने खुद को एनसीएमएल का सर्वेयर बताने वाले दो युवकों को पकड़ लिया। किसानों ने दोनों पर गुणवत्ता जांच और खरीदी प्रक्रिया के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगाया। घटना का वीडियो आज शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने गए पटवारी पर हमला, हाथ फ्रेक्चर

रतलाम। जिले की आलोट तहसील के ग्राम देवगढ़ में अवैध खनन की कार्रवाई करने गए पटवारी अजय चौहान पर खनन माफियाओं ने हमला कर दिया। आरोपियों ने उनके साथ जमकर मारपीट की, जिससे उनका एक हाथ फ्रैक्चर हो गया। घायल पटवारी को आलोट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत हिम्मतखेड़ी के पटवारी अजय चौहान गुरुवार दोपहर शासकीय कार्य से ग्राम देवगढ़ गए थे। रास्ते में उन्हें देवगढ़ क्षेत्र में नाले के पास कुछ लोग जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्राली लेकर अवैध खनन करते दिखे। उन्होंने रूककर पूछताछ की तथा खनन करने के दस्तावेज मांगे। आरोपियों ने उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं दिया और न ही दस्तावेज बताए। इस पर उन्होंने पंचनामा बनाया व आरोपियों को जेसीबी व ट्रैक्टर-ट्राली पुलिस थाने लेकर चलने के लिए कहा। इसी बात पर आरोपी नाराज हो गए तथा हमला कर उनके साथ झूमाझटकी और मारपीट शुरू कर दी। इससे वे घायल हो गए तथा उनके हाथ में फ्रैक्चर हो गया। अरोपियों ने पटवारी के बैग से पंचनामा निकाला और उसे फाड़कर फेंक दिया। पटवारी ने घटना की जानकारी दूरभाष पर वरिष्ठ अधिकारियों को दी तथा डायल 112 पर कॉल किया। इसी बीच आरोपी वहां से भाग निकले।आरोपियों के भागने के बाद कुछ ग्रामीण घायल पटवारी अजय चौहान को लेकर आलोट के सरकारी अस्पताल पहुंचे। इस दौरान आलोट तहसीलदार वंदना किराड़े व अन्य अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे तथा पटवारी से घटना की जानकारी ली। आलोट के सरकारी अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर पटवारी अजय चौहान के हाथ में पट्टा चढ़ाया गया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें मेडिकल कॉलेज रतलाम रेफर किया गया।

आईजी बोले- लक्ष्य पर फोकस करें, नशे से रहें दूर

नर्मदापुरम। युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से पीएम श्री विद्यालय (नवोदय), पवारखेड़ा में नशे से दूरी है जरूरी 2.0% अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि उसके भविष्य, परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहकर अपनी पढ़ाई और जीवन के लक्ष्यों पर पूरा ध्यान केंद्रित करें। साथ ही सोशल मीडिया और साथियों के दबाव में आकर गलत आदतों से बचने की सीख भी दी। इस दौरान विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने आजीवन नशे से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने की सामूहिक शपथ ली। कार्यक्रम में नर्मदापुरम रेंज के पुलिस महानिरीक्षक चंद्रशेखर सोलंकी (आईपीएस), पुलिस उपमहानिरीक्षक वीरेंद्र कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा थोटा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक राजन तथा रक्षित निरीक्षक स्नेहा चंदेल उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्य सविता पाठक और उप-प्राचार्य काव्या दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिकाओं पूनम मिश्रा, नवनिता गोहा और माधुरी शर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

बालाजी कंस्ट्रक्शन कंपनी का मामला: अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी

करंट लगने से दो मजदूरों की मौत के मामले में कंपनी के मालिक सहित तीन पर केस दर्ज

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

मंडीदीप नगर पालिका अंतर्गत चल रहे 64 करोड़ के अमृत 2 योजना के अंतर्गत निर्माण हो रहे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट हमीरी में कार्य करते समय विगत तीन माह पहले करंट लगने से दो मजदूर की घटना स्थल पर हाई टेंशन लाइट से करंट लगने के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। आनन फानन में ठेकेदार के कर्मचारियों द्वारा मृतकों को एम्स हॉस्पिटल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर शव का पोस्टमार्टम करवा दिया। थाना बागसेवनिया के द्वारा जीरो टाइल्स पर मर्ग कायम कर विवेचना के लिए मंडीदीप थाने में रिपोर्ट भेज दी गई थी।

मंडीदीप थाने में पूरे मामले की जांच कर रहे जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर अरविंद पांडे ने बताया कि घटना विगत 3 माह पहले की है जिसमें लापरवाही पूर्ण कार्य करते हुए मज़दूर वकील कुमार लोधी अनिल लोधी निवासी ललितपुर की हाई टेंशन लाइन से करंट की चपेट में आने से मौत हो गई जिसमें निर्माण कंपनी बालाजी कंस्ट्रक्शन कंपनी दिल्ली के मालिक कौशल चौधरी, मैनेजर शैलेश सिंह, और एक सुपरवाइजर शनि कमल पर धारा 106/1 पर मामला पंजीबद्ध किया गया। परंतु मामले में अभी तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

तीनों आरोपी दिल्ली फरार हो गए थे

मामला दर्ज होने के बाद से ही तीनों आरोपी फरार चल रहे है जिनकी गिरफ्तारी अभी तक पुलिस के द्वारा नहीं की गई। वही तीनों आरोपी में एक आरोपी शनि कमल से दोपहर मेट्रो ने बात किया तो शनि कमल का कहना है ऐसा कोई मामला नहीं है मुझे इसकी जानकारी नहीं है एफआईआर को लेकर बताया कि उससे कुछ नहीं होता है। नगरपालिका की अनदेखी के कारण बिना सेफ्टी के मजदूर काम करने के लिए मजबूर प्रोजेक्ट में काम कर रहे, बाकी के दूसरे मजदूरों को बिना सेफ्टी के काम कराया जा रहा जिससे मजदूर को जान का खतरा बना हुआ है। नगर पालिका मंडीदीप सीएमओ सुधीर उपाध्याय ने बताया कि मामला तीन माह पहले का है मैने अभी पदभार संभाला है क्या मामला है देख कर ही बता पाऊंगा। ऐसी घटना दुबारा घटित न हो इसको लेकर संबंधित ठेकेदार को आदेशित करूंगा। थाना प्रभारी मंडीदीप रंजीत सराठे ने बताया कि हमारा गांव में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में तीन माह पहले हुई दो मजदूर की मृत्यु को लेकर मर्ग कायम कर लिया गया है।

मरीज को सलाइन की जगह मिनरल वाटर की ड्रिप लगाई

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिला अस्पताल में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पर मरीज को सलाइन की जगह मिनरल वाटर की ड्रिप लगा दी गई। ऐसा करने वाले डॉक्टर को ड्यूटी नर्स ने टोका भी, लेकिन वह नहीं माना। वार्ड में मौजूद दूसरे लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। मामले के सामने आने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पांडेय ने कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया को रिपोर्ट भेजी है। जिस पर आगे की जांच की जा रही है।

बाघ पखवाड़ा: 8,361 लोगों तक पहुंचा संरक्षण का संदेश, 805 विद्यार्थियों ने ली सतपुड़ा साथी की शपथ

नर्मदापुरम/पचमढ़ी। दोपहर मेट्रो

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस 2026 के उपलक्ष्य में सतपुड़ा टाइगर रिजर्व द्वारा आयोजित %बाघ पखवाड़ा% अभियान के तहत बाघ संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। 16 से 29 जुलाई तक चलने वाले इस अभियान में अब तक 8,361 लोगों और छात्र-छात्राओं को बाघों के महत्व, उनके प्राकृतिक आवास और मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के बारे में जागरूक किया जा चुका है।

गुरुवार को ईको विकास समिति धांसई, डोकरीखेड़ा, बारीआम और बंधान में आयोजित सतपुड़ा संवाद में 84 ग्रामीणों ने भाग लिया। बैठक में ग्रामीणों को गांव और आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, मवेशियों को जंगल में चराने के बजाय स्टॉल फीडिंग अपनाने, तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए एकलव्य छात्रवृत्ति योजना तथा बेरोजगार युवक-युवतियों के कौशल उन्नयन कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। साथ ही ईको सेंसिटिव जोन और बाघ संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी चर्चा की गई। अभियान के तहत प्राथमिक शाला खापा, रानी दुर्गावती विद्यालय पचमढ़ी, सेंट पेट्रिक स्कूल सोहागपुर, माध्यमिक शाला पूंजी, शासकीय शाला डुंडीखेड़ा, शासकीय शाला साबरवानी और शासकीय शाला मटकुली के 805 विद्यार्थियों को बाघ संरक्षण, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को %सतपुड़ा साथी% के रूप में वन्यजीव संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

इस दौरान पूर्व पचमढ़ी परिक्षेत्र में पदस्थ वनरक्षक शिवनारायण देवड़ा ने 20 समिति सदस्यों के सहयोग से 1001 पौधों के रोपण का संकल्प पूरा करने की दिशा में कार्य जारी रखा है। वहीं पिपरिया के व्यस्त दुर्गा मंदिर चौराहे पर लगी एलईडी स्क्रीन के माध्यम से 29 जुलाई तक बाघ संरक्षण संबंधी जागरूकता संदेशों का लगातार प्रसारण किया जा रहा है। इस मार्ग से बड़ी संख्या में पर्यटक पचमढ़ी की ओर जाते हैं, जिससे जिम्मेदार पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है।

टाइगर रिजर्व प्रबंधन की अपील

धार्मिक यात्रा की गरिमा बनाए रखें वन्यजीव संरक्षण में करें सहयोग

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नागपंचमी पर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में स्थित पवित्र नागद्वारी मंदिर की धार्मिक यात्रा को लेकर सतपुड़ा टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने जन-सामान्य के लिए महत्वपूर्ण अपील जारी की है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि नागद्वारी यात्रा पूरी तरह धार्मिक परंपरा से जुड़ी हुई है। इसे ट्रेकिंग, एडवेंचर एक्टिविटी, ईको टूरिज्म या व्यावसायिक पर्यटन के रूप में प्रचारित या आयोजित करना नियमों के विरुद्ध है। एसडीओ आशीष खोबरागडे ने बताया कि प्रबंधन के अनुसार हाल के दिनों में कुछ निजी व्यक्ति, संस्थाएं और ट्रैवल समूह सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से नागद्वारी यात्रा को एडवेंचर गतिविधि के रूप में प्रचारित करने का प्रयास कर रहे हैं। चूंकि नागद्वारी क्षेत्र सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के क्रिटिकल टाइगर हैबिटेट (कोर क्षेत्र) में स्थित है, इसलिए यहां वन्यजीव संरक्षण अधिनियम-1972, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) के दिशा-निर्देशों और अन्य कानूनी प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाता है। प्रबंधन ने श्रद्धालुओं, ट्रैवल एजेंसियों, एडवेंचर ग्रुप, सोशल मीडिया संचालकों और अन्य संगठनों से अपील की है कि वे नागद्वारी यात्रा को किसी भी प्रकार की ट्रेकिंग, एडवेंचर टूरिज्म या व्यावसायिक गतिविधि के रूप में प्रचारित अथवा आयोजित न करें। ऐसी गतिविधियां न केवल वन्यजीव संरक्षण की भावना के विपरीत हैं, बल्कि वन्यजीवों के प्राकृतिक व्यवहार, आवास और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती हैं।

शून्य अंक से भड़के विद्यार्थी! परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के नागदा के दो शासकीय कॉलेजों के 47 से अधिक बीकॉम द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को एक ही विषय में शून्य अंक और सप्लीमेंट्री दिए जाने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने आरोप लगाया है कि परीक्षा केंद्र पर निजी कॉलेजों के विद्यार्थियों को नकल और विशेष सुविधा दी गई, जबकि शासकीय कॉलेज के नियमित छात्रों के साथ भेदभाव कर मनमाने तरीके से फेल किया गया।

आक्रोशित छात्र-छात्राओं ने विक्रम विश्वविद्यालय पहुंचकर जमकर प्रदर्शन किया और कुलपति के नाम ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे। विद्यार्थियों के अनुसार, छह मई 2025 को आयोजित बिजनेस स्टेटिस्टिक्स की परीक्षा में नागदा के रूपेटा स्थित शासकीय स्वामी विवेकानंद कॉलेज के 44 छात्रों में से 30 को सप्लीमेंट्री दे दी गई। इनमें से कई को शून्य अंक मिले। इसी तरह शासकीय गर्ल्स डिग्री कॉलेज की 17 छात्राओं को भी 0 से 3 अंक तक ही दिए गए। विद्यार्थियों का कहना है कि सभी नियमित थे और उन्होंने पूरी तैयारी के साथ परीक्षा दी थी। इसके बावजूद इतने कम अंक मिलना संदेह पैदा करता है। प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि परीक्षा केंद्र स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में शेषशायी कॉलेज और वर्धमान कॉलेज, नागदा के निजी छात्रों की भी परीक्षा हुई थी। छात्रा खुशी ने बताया की निजी कॉलेजों के प्राध्यापकों की ड्यूटी उन्हीं कमरों में लगाई गई जहां उनके कॉलेज के छात्र थे। कुछ प्राध्यापकों ने दूसरे कमरों में जाकर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर भी बताए। कई छात्रों ने मोबाइल से नकल भी की।प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों का आरोप है कि शासकीय कॉलेज के प्राचार्य और निजी कॉलेज संचालकों की मिलीभगत से निजी छात्रों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया और वे पास हो गए, जबकि शासकीय कॉलेज के छात्रों को फेल कर दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कुलसचिव अनिल शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने छात्रों से ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया। कुलसचिव ने कहा, मामले की जांच के लिए परीक्षा नियंत्रक को निर्देश दे दिए गए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

मेट्रो एंकर

आस्था से सेवा तक नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान शुरू

परिक्रमा मार्ग पर लगेंगे 51 हजार पौधे, बताएंगे पर्यावरण का महत्व

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा के संरक्षण और नर्मदा परिक्रमा मार्ग को हरित, सुरक्षित एवं सुविधायुक्त बनाने के उद्देश्य से नमो नर्मदा सेवा पथ अभियान का शुभारंभ किया गया। दादा गुरु एवं कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने अभियान की शुरुआत करते हुए इसे आस्था, सेवा और पर्यावरण संरक्षण का समन्वित प्रयास बताया।

अभियान के तहत नर्मदा परिक्रमा मार्ग के दोनों ओर 51,700 छायादार और फलदार पौधे लगाए जाएंगे। इनमें आम, नीम, पीपल, बरगद, जामुन, आंवला, बेलपत्र, अर्जुन, महुआ, शीशम, बांस, हर्रा, बेहड़ा, इमली और अमलताश सहित अनेक देशी प्रजातियां शामिल हैं। इसका उद्देश्य हरित कॉरिडोर विकसित करना, जैव विविधता बढ़ाना तथा मृदा और जल संरक्षण को मजबूती देना है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने बताया कि अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं रहेगा। नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन, आवास, विश्राम, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सा और प्राथमिक उपचार जैसी सुविधाओं का भी विस्तार किया जाएगा। स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाओं और धार्मिक संगठनों की भागीदारी से परिक्रमा मार्ग को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाया जाएगा। अभियान के प्रभावी संचालन के लिए नर्मदा पथ टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। इसके अध्यक्ष कलेक्टर और सचिव जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी होंगे। इसमें पुलिस, वन, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जन अभियान परिषद, माय भारत (नेहरू युवा केंद्र), नर्मदा तट क्षेत्र के ट्रस्ट और स्वयंसेवी संगठनों को भी शामिल किया जाएगा। कलेक्टर ने समाजसेवियों, उद्योगों और नागरिकों से परिक्रमा मार्ग को गोद लेने, पौधरोपण, पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड उपलब्ध कराने, आश्रय स्थलों के निर्माण, सदाव्रत, पेयजल सेवा और अन्नक्षेत्र संचालन में सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम में स्मिता रिछारिया (जीजी माई), पंडित गोपाल प्रसाद खड्डर, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव, जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन सहित जनप्रतिनिधि, संतगण और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। शासकीय होम साइंस बालिका स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित 3डी होलोग्राम शो ने श्रद्धालुओं को मां नर्मदा की दिव्यता का अनूठा अनुभव कराया। 360 डिग्री विजुअल, होलोग्राम मैप प्रोजेक्शन, सराउंड साउंड, भजन-कीर्तन और आरती के माध्यम से मां नर्मदा की महिमा, नर्मदा परिक्रमा की परंपरा तथा भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक विरासत को आधुनिक तकनीक के जरिए प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया।

न्यूज विंडो

6 बाइक समेत शातिर वाहन चोर गिरफ्तार
रेकी कर देते थे वारदात को अंजाम

धार। औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में लगातार हो रही दुपहिया वाहनों की चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए सेक्टर-1 ने पुलिस ने मुखबिर की सूचना क्षेत्र के करीब 140 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर एक शातिर वाहन चोर और दो बाल अपचारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों से चुराई गई 6 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, गिरोह के सदस्य काफी समय से क्षेत्र में सक्रिय थे। आरोपी दिन और रात में इलाकों में घूम-घूमकर रेकी करते थे और मौका मिलते ही पलक झपकते ही वाहन पार कर देते थे। बार-बार हो रही चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर के निर्देशन में थाना प्रभारी निरीक्षक ओ.पी. अहीर ने विशेष टीमों का गठन किया। संदिग्ध क्षेत्रों में सर्चिंग और सीसीटीवी कैमरों की पड़ताल के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। फुटेज के आधार पर पुलिस ने नूतन नगर, पीथमपुर में दबिश देकर सुनील पिता भुरालाल डाबर निवासी पांचरिया बड़गौदा, इंदौर को दो बाल अपचारियों के साथ हिरासत में लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने सेक्टर-1 थाना क्षेत्र सहित आसपास के अन्य थानों से भी मोटरसाइकिलें चुराना कबूल किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की कुल 06 मोटरसाइकिलें कीमत लगभग 5 लाख रुपए जप्त कर ली हैं।

शराब दुकान का रास्ता बंद किया
नायब तहसीलदार ने खुलवाया

झलौन/ तेंदूखेड़ा। झलौन स्थित माँ वारूणी ट्रेडर्स शराब दुकान के प्रबंधक ने दुकान तक जाने वाले मार्ग को कथित रूप से अवरुद्ध किए जाने और धमकी दिए जाने की शिकायत करते हुए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) तेंदूखेड़ा को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। झलौन स्थित शराब दुकान में प्रबंधक के रूप में कार्यरत पुष्पेन्द्र जायसवाल ने बताया कि 22 की सुबह लगभग 9 बजे ग्राम झलौन निवासी चन्द्रप्रताप तेकाम दुकान पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि शराब दुकान तक जाने वाला मार्ग उनकी निजी भूमि से होकर गुजरता है, इसलिए उस रास्ते का उपयोग नहीं किया जाए। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि उन्होंने दुकान के बाहर लगा बोर्ड उखाड़कर फेंक दिया तथा आपत्ति जताते हुए कथित रूप से धमकी भी दी। प्रबंधक द्वारा संबंधित व्यक्ति से भूमि संबंधी दस्तावेज दिखाने का आग्रह किया गया, क्योंकि पिछले लगभग तीन वर्षों से दुकान संचालक और कर्मचारी इसी मार्ग का उपयोग करते आ रहे हैं। उनके अनुसार, इस दौरान कभी भी किसी व्यक्ति ने उक्त मार्ग को निजी भूमि नहीं बताया। इसी मार्ग से ग्रामीणों का आवागमन होता है तथा वहां एक खेल मैदान भी स्थित है। स्थानीय लोगों और मकान मालिक के अनुसार यह आम उपयोग का रास्ता है। साथ ही आरोप लगाया गया है कि चन्द्रप्रताप तेकाम, जो स्वयं को संगठन का ब्लॉक अध्यक्ष बताते हैं उनके द्वारा मार्ग बंद कर दुकान संचालन में बाधा उत्पन्न की जा रही है, जिससे व्यवसाय प्रभावित हो रहा है और आर्थिक नुकसान की आशंका बनी हुई है।

स्वर गंधर्व कार्यक्रम में मनाया गया
पार्श्व गायक मुकेश का जन्मदिन

नरसिंहपुर। आनंदम म्यूजिकल ग्रुप के द्वारा सिने जगत के मशहुर गायक मुकेश चंद्र माथुर जी का 103 वा जन्मदिन स्वर गंधर्व कार्यक्रम अभिनंदन गार्डन में सनातन परंपरा से शुरू हुआ।ग्रुप के सबसे बड़े सदस्य के राम गोपाल पाठक के द्वारा मां सरस्वती के पूजन एवं मनीषा धुर्वे , माधव शिन्दे द्वारा मां की वंदना से प्रारंभ हुआ।इस कार्यक्रम में मुकेश के जोरदार गीतों की प्रस्तुति देकर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।अनिल नेमा के द्वारा मुकेश चंद माथुर का सफरनामा बताया गया। कार्यकम में भागीरथ विश्वकर्मा,मुकेश शर्मा, संजय मेहरा, अरविंद पाठक, बृजेश विश्वकर्मा, विकास हार्दिक नेमा, योगेश गुप्ता, सूर्यकांत नेमा, आशुतोष वर्मा, मनीषा धुर्वे, माधव शिन्दे, अनिल नेमा, करन जोगलेकर, विश्वनाथ ठाकुर, गजेंद्र कोष्ठा आदि ने मुकेश के शानदार नगमे प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन भागीरथ विश्वकर्मा ने किया ।

भाजयुमो का आजाद प्रेरणा
पर्व भव्यता के साथ संपन्न

नरसिंहपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर आयोजित 'आजाद प्रेरणा पर्व' स्थानीय सुभाष पार्क स्थित चंद्रशेखर आजाद जी की मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष पं.रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्य मंत्री जालम सिंह पटेल, सोशल मीडिया जिला संयोजक श्रीकांत श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष अंशुल नेमा, कार्यक्रम प्रभारी आकाश सेन, सह प्रभारी अभिषेक रघुवंशी एवं संदीप पटेल की उपस्थिति एवं कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। राष्ट्रभक्ति और भारी उत्साह के साथ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं और स्थानीय युवाओं ने मिलकर देश की आजादी के महानायक को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष पं रामस्नेही पाठक ने कहा कि ''आज का दिन केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि अपनी जड़ों और राष्ट्रभक्ति के संकल्प को दोहराने का दिन है। अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जी ने मात्र 24 वर्ष की आयु में देश के लिए सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। उनका नाम सुनते ही रगों में देशभक्ति का खून दौड़ने लगता है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में देश एवं प्रदेश का युवा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में लगा है। युवा मोर्चा के कंधे पर देश की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

विकास के दावों को चुनौती देते हैं ब्यावरा के ग्रामीण क्षेत्र

गांव हैं, वोट हैं लेकिन पहचान नहीं, बारिश में कट जाता है संपर्क, ब्यावरा के 6 हजार लोगों का दर्द

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

तीन गांव, करीब छह हजार आबादी और अनगिनत उम्मीदें। लेकिन पहचान आज भी अधूरी है। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ग्राम पंचायत आगर के अंतर्गत आने वाले खेजड़-खो, हाथिया-खो और जामुन का पुरा आज भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। मतदान करने वाले इन ग्रामीणों को अब तक सड़क, शिक्षा और दूसरी बुनियादी सुविधाएं नसीब नहीं हो सकी हैं। बारिश आते ही गांवों का संपर्क टूट जाता है। बच्चे स्कूल नहीं पहुंच पाते और बीमार या गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक ले जाने के लिए चारपाई का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों का कहना है कि उनकी सबसे बड़ी मांग गांवों को राजस्व रिकॉर्ड में शामिल कर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

दरअसल गांव तक पहुंचने वाला करीब चार किलोमीटर लंबा रास्ता कच्चा है। बरसात में यह पूरा मार्ग दलदल में बदल जाता है। दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में गांव पूरी तरह अलग-थलग पड़ जाते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी तब होती है, जब किसी मरीज या गर्भवती महिला को अस्पताल ले जाना पड़ता है। एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती, इसलिए ग्रामीण मरीजों को खाट या अन्य वैकल्पिक साधनों से मुख्य सड़क तक लेकर आते हैं। कई बार इलाज में देरी भी हो जाती है। गांव के बच्चों की पढ़ाई भी गंभीर संकट में है। प्राथमिक विद्यालय का भवन पूरी तरह जर्जर हो

चुका है। भवन असुरक्षित होने के कारण पिछले एक वर्ष से नियमित पढ़ाई बंद है। बच्चों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था तो की गई, लेकिन बारिश के मौसम में वहां तक पहुंचना भी संभव नहीं हो पाता। नतीजा यह है कि बरसात के दिनों में बच्चों की पढ़ाई लगभग ठप हो जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा के अधिकार की बातें तो होती हैं, लेकिन उनके बच्चों को सुरक्षित स्कूल भवन और नियमित शिक्षा अब भी नहीं मिल पा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि वर्षों से वे अपनी समस्याएं प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के सामने रखते आए हैं, लेकिन हालात नहीं बदले। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि तीनों गांव आज भी राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हैं। इसी कारण कई विकास योजनाओं का पूरा लाभ भी नहीं मिल पाता। गांवों की पहचान दर्ज कराने के लिए लोग सरकारी दफ्तरों के लगातार चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समाधान अब तक नहीं निकला।

आवागमन की असली तस्वीर

पूर्व जनपद सदस्य सीताराम भील, पूर्व सरपंच मानसिंह भील, कनीराम भील और देवेंद्र सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि अधिकारी बारिश के दौरान गांवों का निरीक्षण करें। उनका कहना है कि इसी मौसम में सड़क, शिक्षा और आवागमन की असली तस्वीर सामने आती है। यदि अधिकारी मौके पर पहुंचेंगे तो ग्रामीणों की परेशानी खुद समझ सकेंगे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अब उनका धैर्य जवाब देने लगा है। आदिवासी समाज से जुड़े मुद्दों और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर 27 जुलाई को वे जिला मुख्यालय पहुंचकर प्रशासन को ज्ञापन सौंपेंगे। यदि इसके बाद भी सड़क निर्माण, विद्यालय भवन की मरम्मत और अन्य समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए तो व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

विधानसभा में भी उठ चुका मामला

इन गांवों की समस्या पहले भी शासन-प्रशासन के सामने पहुंच चुकी है। ग्रामीणों के अनुसार गांवों को राजस्व रिकॉर्ड में शामिल कराने की मांग कई बार उठाई गई। पूर्व विधायक पुरुषोत्तम दांगी और तत्कालीन विधायक, वर्तमान राज्यमंत्री नारायण सिंह पंवार भी यह मामला विधानसभा में उठा चुके हैं। इसके बावजूद समाधान नहीं निकल सका। तीन वर्ष पहले ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय पर तालाबंदी कर विरोध भी जताया था, लेकिन उन्हें केवल आश्वासन देकर लौटा दिया गया। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि इस बार उनकी आवाज केवल सुनी ही नहीं, बल्कि उस पर कार्रवाई भी होगी।

ऑपरेशन मुस्कान: अपहृत बालिकाओं को किया बरामद, 2 आरोपी गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत धार पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा के मार्गदर्शन में कानवन थाना पुलिस ने टीम ने दो अलग-अलग अपराधों में अपहृत बालिकाओं को सुरक्षित बरामद कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। वहीं, नाबालिग पीड़िता से दुष्कर्म करने, वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर वायरल करने वाले मुख्य आरोपी और उसके साथी को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया जा रहा है।

पहला मामला कानवन थाने में अज्ञात आरोपी द्वारा एक नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का मामला दर्ज हुआ था, जिसमें पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। दूसरा मामला 16 जुलाई 2026 का है , पीड़िता की रिपोर्ट के अनुसार आरोपी अजय अपने दोस्त रोहित उर्फ रवि के साथ बाइक पर नाबालिग पीड़िता को बहला-फुसलाकर ले गया। आरोपी पीड़िता को अज्ञात होटल में ले गया, जहाँ उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसका वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया। आरोपी ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिया। फरियादी की रिपोर्ट पर कानवन पुलिस ने दुष्कर्म सहित पाक्सों का मामला दर्ज किया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सचिन शर्मा, एएसपी पारुल वेलापुरकर, एएसपी विजय डाबर एवं एसडीओपी बदनावर अरविंद तोमर के निर्देशन में कानवन थाना प्रभारी निरीक्षक रवींद्र कुमार बारिया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। मुखबिर तंत्र और तकनीकी सर्विलांस की मदद से कानवन पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों अजय पिता बाबूलाल मुणिया निवासी वरनासा कानवन और रोहित उर्फ रवि को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अपहृत बालिकाओं को सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा और दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

महिला से दुष्कर्म में मदद करने वाले 2 सह-आरोपी 48 घंटे में गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

बीमारी ठीक करने और तंत्र-मंत्र के नाम पर महिला के साथ बलात्कार करने के गंभीर मामले में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी तांत्रिक का सहयोग करने वाले दो फरार सह-आरोपियों को मात्र 48 घंटे के भीतर ही गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता ने 19 जुलाई को थाना कुक्षी में शिकायत दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के अनुसार 26 मार्च को पीड़िता का समधी रेवसिंह और राकेश नाम का व्यक्ति उसे मनावर बस स्टैंड पर मिले थे। वे उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर ग्राम कड़माल स्थित धन्नालाल भारूड़ के घर ले गए। वहां तीसरे कमरे में छोड़कर दोनों चले गए, जहां तांत्रिक कैलाश ने बवासीर का इलाज तंत्र-मंत्र से करने का झांसा देकर महिला के साथ दुष्कर्म किया। तांत्रिक ने यह बात किसी

को बताने पर तंत्र-विद्या से महिला और उसके पति को जान से मारने की धमकी भी दी थी। महिला संबंधी अपराध की संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर एवं एसडीओपी कुक्षी सुनील गुप्ता के मार्गदर्शन तथा कुक्षी थाना प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह चौहान के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। निसरपुर चौकी प्रभारी उप-निरीक्षक रवि वास्के एवं उनकी टीम ने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस को सूचना मिली कि फरार सह-आरोपी राकेश और रेवसिंह कहीं बाहर भागने की योजना बना रहे हैं। इस पर पुलिस टीम ने ग्राम सातपुरा मंडावदा में दबिश दी। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर दोनों ने पीड़िता को मोटरसाइकिल से तांत्रिक बाबा के पास पहुँचाने का जुर्म कबूल कर लिया। टीम ने घटना में इस्तेमाल की गई एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी जप्त की है।

आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय कुक्षी में पेश कर दिया गया है। निसरपुर पुलिस की कार्रवाई पर पुलिस अधीक्षक धार सचिन शर्मा द्वारा पूरी पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है।

नगर में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, मुख्य चौराहों के सीसीटीवी कैमरे 3-4 माह से बंद

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से मुख्य चौराहों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे पिछले तीन से चार माह से बंद पड़े हुए हैं। कैमरों के बंद रहने से नगर में होने वाली घटनाओं, दुर्घटनाओं तथा संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी प्रभावित हो रही है, जिससे आम नागरिकों में चिंता का माहौल है।

जानकारी के अनुसार नगर के प्रमुख चौराहों बाजार क्षेत्र एवं सार्वजनिक स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे, ताकि अपराधों पर नियंत्रण रखा जा सके तथा किसी भी घटना की स्थिति में फुटेज के आधार पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। लेकिन लंबे समय से कैमरे बंद होने के कारण इनका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। नगरवासियों का कहना है कि सीसीटीवी कैमरे चालू रहने से चोरी, मारपीट, सड़क दुर्घटनाओं एवं अन्य आपराधिक घटनाओं की

जांच में पुलिस को महत्वपूर्ण मदद मिलती है। वहीं वर्तमान में कैमरों के बंद रहने से किसी भी घटना के बाद साक्ष्य जुटाने में कठिनाई हो सकती है। व्यापारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बाजार क्षेत्र में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीसीटीवी कैमरों का सुचारु रूप से संचालित होना आवश्यक है। कैमरों की निगरानी व्यवस्था ठप्प होने से असामाजिक तत्वों के हौसले भी बढ़ सकते हैं। नगर के गणमान्य नागरिकों ने संबंधित विभाग एवं नगर प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों की शीघ्र मरम्मत कर उन्हें पुनः चालू कराया जाए, ताकि नगर में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ हो सके और घटनाओं की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके। नगरवासियों का मानना है कि आधुनिक तकनीक के इस दौर में सीसीटीवी कैमरे सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। ऐसे में लंबे समय तक इनका बंद रहना प्रशासनिक व्यवस्था पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। लोगों को उम्मीद है कि प्रशासन शीघ्र संज्ञान लेकर कैमरों को चालू कराने की दिशा में आवश्यक कदम उठाएगा इस संबंध में तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर ने कहा कि कैमरे बंद को लेकर नगर परिषद सीएमओ से कई बार पत्राचार किया जा चुका हैं लेकिन कोई भी सुधार कार्य नहीं किया गया हैं इस संबंध में नगर परिषद तेंदूखेड़ा के इंजीनियर भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि आज ही सागर की टीम को कैमरे बंद होने की जानकारी देकर सुधार कार्य के लिए बुलवाता

भैंस से टकराया बाइक सवार, गंभीर घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के अंतर्गत स्टेट हाइवे 15 पर झलौन मार्ग पर स्थित नाग बाबा के पास एक बाइक सवार युवक भैंस से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे 108 की मदद से इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया है जहां प्राथमिक उपचार के बाद जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार कप्तान सिंह पिता भगवान सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी जामुनखेड़ा थाना तेंदूखेड़ा है जो धनेटा ग्राम में बिजली मोटर लगाने का काम करने के लिए गया था, जहां से वापस आते समय नाग बाबा के समीप भैंस से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई है।

मेट्रो एंकर नगर में जलभराव से जनजीवन अस्त-व्यस्त, वार्ड क्रमांक11 के रहवासी परेशान

गलियों में भरा बारिश का पानी, आवागमन हो रहा प्रभावित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में लगातार हो रही बारिश के कारण कई क्षेत्रों में जलभराव की गंभीर स्थिति बनी हुई है। सड़कों एवं गलियों में बारिश का पानी जमा होने से आम नागरिकों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले छोटे-छोटे बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को प्रतिदिन भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नगर की इस गंभीर समस्या के बावजूद संबंधित जिम्मेदार विभाग एवं अधिकारियों द्वारा अब तक प्रभावी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ताजा मामला तेंदूखेड़ा नगर के वार्ड क्रमांक 11 का है, जहां रामकिशन यादव सचिव के मकान के पास स्थित मार्ग पर लगभग दो से तीन फुट तक बारिश का पानी जमा हुआ है। यह रास्ता वार्ड के लोगों के लिए प्रमुख आवागमन का मार्ग है, जिससे प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में स्कूली बच्चे, महिलाएं, पुरुष एवं बुजुर्ग आवागमन करते हैं। जलभराव के कारण लोगों को

पानी से होकर निकलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे दुर्घटना एवं संक्रामक बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। स्थानीय शकुन बाई, पूना बाई ,गौरा बाई ,सरोज विश्वकर्मा ,गायत्री ठाकुर ,रजनी ठाकुर, मनीषा ठाकुर, नन्नू जैन का कहना है कि कई दिनों से यह स्थिति बनी हुई है, लेकिन नगर परिषद के जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों द्वारा न तो जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई गई है और न ही प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर समस्या के स्थायी समाधान के प्रयास किए गए हैं। स्कूली बच्चों को प्रतिदिन गंदे पानी से होकर विद्यालय जाना पड़ रहा है, जिससे अभिभावकों में भी चिंता का माहौल है। क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि प्रशासन एवं नगर परिषद इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए तत्काल जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि लोगों को राहत मिल सके। साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति रोकने के लिए नालियों की नियमित सफाई, जल निकासी तंत्र को मजबूत करने तथा आवश्यक निर्माण कार्य शीघ्र कराए जाने की भी मांग की गई है। नगरवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो बारिश के मौसम में हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं। उन्होंने प्रशासन से जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई करने की अपील की है, ताकि वार्ड क्रमांक 11 सहित नगर के अन्य जलभराव वाले क्षेत्रों के नागरिकों को राहत मिल सके और उनका दैनिक जीवन सामान्य हो सके।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के खिलाड़ियों का बड़ा सम्मान

जेरसिस वाडिया और आर्यन शर्मा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के युवा क्रिकेटरों का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। अब भारतीय मूल के दो प्रतिभाशाली खिलाड़ियों जेरसिस वाडिया और आर्यन शर्मा को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड ने अपनी प्रतिभा निखारने की विशेष योजना के तहत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। 24 वर्षीय जेरसिस वाडिया को ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड की विशेष एकादश में शामिल किया गया है, जबकि 18 वर्षीय आर्यन शर्मा को पुरुष विकास दल में जगह मिली है। दोनों खिलाड़ियों के चयन को उनके शानदार प्रदर्शन का पुरस्कार माना जा रहा है।

जेरसिस को मिला खुद को साबित करने का मौका- मुंबई में जन्मे जेरसिस वाडिया ने शुरुआती क्रिकेट वडोदरा में खेला, लेकिन बाद में वह ऑस्ट्रेलिया चले गए। वहां उन्होंने एडिलेड की प्रमुख घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बनाई। पिछले सत्र में उन्हें ऑस्ट्रेलिया की प्रसिद्ध टी-20 प्रतियोगिता की एडिलेड टीम में भी शामिल किया गया था। अब उन्हें बांग्लादेश की टेस्ट टीम के खिलाफ तीन दिवसीय अभ्यास मुकाबले में खेलने का अवसर मिलेगा, जहां वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के सामने अपनी क्षमता साबित कर सकेंगे।

आर्यन शर्मा विकास दल का हिस्सा बने

विक्टोरिया के हरफनमौला खिलाड़ी आर्यन शर्मा को पुरुष विकास दल में शामिल किया गया है। यह दल चेन्नई में विशेष प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगा, जहां भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप अभ्यास कराया जाएगा। टीम दो दो-दिवसीय मुकाबले भी खेलेगी, जिनमें खिलाड़ियों की तकनीक और धैर्य की कड़ी परीक्षा होगी। आर्यन इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा रह चुके हैं और घरेलू टी-20 प्रतियोगिता में भी अपना हुनर दिखा चुके हैं।

अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिलेगा सीखने का अवसर

ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड की विशेष एकादश में कई अनुभवी और प्रतिभाशाली खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। वहीं विकास दल में भी ऐसे युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है, जिन्हें भविष्य के लिए तैयार किया जा रहा है। वरिष्ठ प्रशिक्षकों और पूर्व खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में दोनों भारतीय मूल के क्रिकेटरों को अपने खेल को और निखारने का अवसर मिलेगा। हाल के वर्षों में ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। यही वजह है कि अब उन्हें राष्ट्रीय स्तर की योजनाओं और विशेष टीमों में भी अवसर मिलने लगे हैं। जेरसिस वाडिया और आर्यन शर्मा का चयन इस बात का संकेत है कि प्रतिभा के दम पर भारतीय मूल के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। आने वाले समय में दोनों खिलाड़ियों पर क्रिकेट प्रेमियों की खास नजर रहेगी।

कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले भारत को तगड़ा झटका

डोप टेस्ट में फेल हुए स्टार जूडो खिलाड़ी अरुण कुमार

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का आगाज हो गया है। इससे ठीक पहले भारतीय दल को बड़ा झटका लगा है। देश के उभरते हुए जूडो खिलाड़ी अरुण कुमार डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है और अब वह ग्लासगो में होने वाले खेलों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। अरुण पुरुष 73 किलोग्राम भार वर्ग में भारत की ओर से पदक के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे।

जूडो महासंघ ने की पुष्टि

भारतीय जूडो महासंघ के अध्यक्ष मुकेश कुमार ने अरुण कुमार के टीम से बाहर होने की पुष्टि की है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि उनके नमूने में कौन-सा प्रतिबंधित पदार्थ मिला है। मामले की जांच जारी है और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

कॉमनवेल्थ में पदक की थी उम्मीद

इस वर्ष अरुण ने ताशकंद ग्रैंड स्लैम जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में हिस्सा लेकर सातवां स्थान हासिल किया था। उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में चुना गया था। खेल विशेषज्ञों को उम्मीद थी कि वह भारत के लिए पदक जीत सकते हैं, लेकिन डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के बाद उनका यह सपना अधूरा रह गया।

लगातार शानदार प्रदर्शन से बनाई थी पहचान

अरुण कुमार पिछले कुछ वर्षों में भारतीय जूडो के सबसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने जूनियर और सीनियर दोनों स्तरों पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वर्ष 2023 में मकाऊ जूनियर एशियाई कप में स्वर्ण पदक जीतकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई थी। इसके बाद 2025 में ताइपे एशियाई ओपन में स्वर्ण और हांगकांग एशियाई ओपन में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

जांच के बाद तय होगी आगे की कार्रवाई

फिलहाल भारतीय जूडो महासंघ और संबंधित डोप रोधी एजेंसियां पूरे मामले की जांच कर रही हैं। जांच पूरी होने के बाद यह तय होगा कि अरुण कुमार पर कितने समय का प्रतिबंध लगाया जाएगा और उनके खिलाफ क्या अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

भारतीय टीम को बड़ा नुकसान

अरुण कुमार के बाहर होने से भारतीय जूडो टीम की पदक संभावनाओं को झटका लगा है। खेलों की शुरुआत से पहले यह घटनाक्रम भारतीय दल के लिए चिंता का विषय बन गया है। अब टीम प्रबंधन को उनके स्थान पर नई रणनीति बनानी होगी, ताकि प्रतियोगिता में भारत का प्रदर्शन प्रभावित न हो।

मयंक यादव ने कमबैक को बनाया यादगार

649 दिन बाद लौटा भारत का स्पीड स्टार पहली ही गेंद पर विकेट लेकर रचा इतिहास

हरारे, एजेंसी

हरारे स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारतीय तेज गेंदबाज मयंक यादव ने ऐसा दमदार कमबैक किया, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। करीब 649 दिन बाद टीम इंडिया की जर्सी पहनने उतरे मयंक ने अपनी पहली ही गेंद पर जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट को आउट कर यह साबित कर दिया कि उनकी रफ्तार और धार अब भी बरकरार है। उन्होंने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट लिए और भारत की जीत की नींव मजबूत की।

12 अक्टूबर 2024 के बाद पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे मयंक यादव पर सभी की नजरें थीं। उन्होंने उम्मीदों पर पूरी तरह खरा उतरते हुए मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को पवेलियन भेज दिया। इसके बाद एक और विकेट लेकर उन्होंने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। 4 ओवर के अपने स्पेल में उन्होंने सिर्फ 18 रन दिए और दो विकेट झटके।

लगातार दो टी20 मैचों में पहली गेंद पर विकेट लेने वाले पहले भारतीय- मयंक यादव की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने अपने पिछले टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भी पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। 12 अक्टूबर 2024 को हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने परवेज हुसैन इमोन को पहली गेंद पर आउट किया था। अब जिम्बाब्वे के खिलाफ वापसी मैच में भी यही कारनामा दोहराते हुए वह लगातार दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में विपक्षी पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए।

भारत को मिला नई उम्मीद देने वाला स्पीड वेपन

भारतीय टीम लंबे समय से ऐसे तेज गेंदबाज की तलाश में थी, जो लगातार 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर सके। चोट से वापसी के बाद मयंक यादव ने जिस आत्मविश्वास और आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी की, उसने यह संकेत दे दिया है कि वह भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के अहम हथियार बन सकते हैं। यदि वह फिटनेस बनाए रखते हैं, तो आने वाले बड़े टूर्नामेंटों में विपक्षी बल्लेबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

एक मैच में दर्ज हुए दो बड़े रिकॉर्ड

मयंक ने हरारे में दो खास रिकॉर्ड अपने नाम किए। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की ओर से मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अब उनका नाम भी शामिल हो गया है। इससे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (अमेरिका के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024) और हार्दिक पंड्या (पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025) हासिल कर चुके हैं। इसके अलावा विपक्षी पारी की पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की सूची में मयंक अब भुवनेश्वर कुमार (3) के बाद हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनके नाम अब ऐसे दो विकेट दर्ज हो चुके हैं।

रफ्तार से बनाई अलग पहचान

दिल्ली के मयंक यादव ने घरेलू क्रिकेट में बहुत कम मैच खेलने के बावजूद अपनी तेज रफ्तार से क्रिकेट जगत का ध्यान खींच लिया था। महज दो लिस्ट-ए मुकाबले खेलने के बाद ही लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें आईपीएल 2022 से पहले अपनी टीम में शामिल कर लिया था। हालांकि हैमस्ट्रिंग की गंभीर चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। फिटनेस हासिल करने के बाद उन्होंने देवधर ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया और फिर आईपीएल में वापसी की। आईपीएल 2024 में मयंक यादव ने अपने डेब्यू सीजन में ही तहलका मचा दिया था। पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले ही मैच में उन्होंने 3 विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद डालकर उस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड बनाया।

वैभव ने तूफानी फिफ्टी से जीता कप्तान का दिल, श्रेयस अय्यर ने की जमकर तारीफ

हरारे। भारतीय टीम ने हरारे में खेले गए टी20 सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे पर सात विकेट से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम की जीत के सबसे बड़े हीरो 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी रहे। वैभव ने सिर्फ 19 गेंदों में 50 रनों की पारी खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया।

मैच के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर भी इस युवा बल्लेबाज की जमकर तारीफ करते नजर आए। श्रेयस ने कहा कि इतनी कम उम्र में उसका आत्मविश्वास और निडर रवैया असाधारण है। श्रेयस ने कहा, वह बिल्कुल निडर है। जिस तरह वह बल्लेबाजी की शुरुआत करता है, वह कमाल का है। मैदान पर कदम रखते ही उसके अंदर जबरदस्त आत्मविश्वास नजर आता है। वैभव सूर्यवंशी के इंटरनेशनल करियर की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही थी। इंग्लैंड दौरे पर वैभव ने अपने पहले तीन टी20 इंटरनेशनल मैचों में 14, 13 और 15 रन बनाए, जिसके बाद उन्हें अंतिम मुकाबले से बाहर कर दिया गया। भारत वह सीरीज 0-4 से हार गया था। लेकिन हरारे पहुंचते ही कहानी बदल गई। यही वह मैदान है, जहां इसी साल अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल में वैभव ने सिर्फ 80 गेंदों पर 175 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली थी।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

4 महीने बाद बादशाह की शादी में पड़ी दरार!

रोती दिखी एक्ट्रेस ईशा रिखी, लिखा- हर तूफान एक सीख है

रैपर बादशाह की पर्सनल लाइफ को लेकर शॉकिंग खबर सामने आ रही है। करीब चार महीने पहले बादशाह ने एक्ट्रेस ईशा रिखी संग गुरुद्वारे में गुपचुप शादी की थी। शादी के बाद भी उन्होंने अपना रिश्ता छिपाकर रखा। ईशा ने बादशाह को फैंस संग इंट्रैक्शन में अपना पति बताया। मगर रैपर ने कोई कमेंट नहीं किया। अब दोनों की मैरिड लाइफ में ट्रबल होने की अटकलें लग रही हैं। इन अफवाहों को ईशा की क्रिप्टिक पोस्ट से बल मिला है। एक्ट्रेस ने इंस्टा पर फोटो-कोलाज वीडियो पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने रैपर संग शादी की क्लिप के साथ रोमांटिक मोमेंट्स को दिखाया है। बादशाह पत्नी संग घूमते, उन्हें ग्वद्वह्यह्य करते हुए नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में ईशा रो रही हैं। बादशाह पत्नी को संभालते दिखे। इस वीडियो के साथ ईशा ने लिखा- हर तूफान एक सीख है। हर प्रार्थना एक उम्मीद है।

फैंस हुए परेशान

एक्ट्रेस के क्रिप्टिक पोस्ट देखकर फैंस हैरान परेशान हैं। दिल टूटने वाला इमोजी और कैप्शन पढ़कर लोगों का मानना है उनकी पर्सनल लाइफ में जरूर टेंशन चल रही है। कमेंट बॉक्स में फैंस ईशा से उनकी मैरिड लाइफ पर सवाल करते दिखे। एक यूजर ने लिखा, क्या हुआ?, दूसरे ने पूछा, पूरा मामला क्या है? फैंस ने दिल थामकर बस यही उम्मीद की है कि उनके बीच सब ठीक हो। फिलहाल बादशाह ने इस वीडियो को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। इंटरनेट पर बादशाह की शादी में दरार पड़ने की खबरें वायरल हो रही हैं। हालांकि सच क्या है इसे लेकर कपल ने कुछ भी क्लियर नहीं किया है। सबसे हैरानी वाली बात ये है कि दोनों इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को फॉलो भी नहीं कर रहे हैं। मालूम हो, ईशा संग बादशाह की ये दूसरी शादी है। इससे पहले उन्होंने जैस्मीन मसीह संग चर्च में वेडिंग की थी। जैस्मीन ईसाई थीं। 2020 में उनका तलाक हो गया था। एक्स कपल की एक बेटी भी है, जिसका नाम जेसेमी ग्रेस मसीह सिंह है। द लल्लनटॉप से बातचीत में बादशाह ने पहली शादी टूटने पर रिएक्ट किया था।

लॉक अप-सच या सजा

शिवांगी के फैसले से चौंके हर्षद, फराह खान बोलीं- 'एक्टिंग छोड़िए, खुलकर बोलिए'

रियलिटी शो लॉक अप-सच या सजा में हर नए एपिसोड के साथ रिश्तों और रणनीतियों के नए रंग देखने को मिल रहे हैं। हालिया एपिसोड में अभिनेता हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी के बीच हुए एक फैसले ने घर का माहौल गर्मा दिया। क्रैकडाउन टास्क के दौरान शिवांगी ने मुकाबले के लिए हर्षद का नाम लिया, जिसके बाद उनकी चुप्पी चर्चा का विषय बन गई। इस पर शो की जेलर फराह खान ने भी हर्षद से खुलकर अपनी बात रखने की नसीहत दी। क्रैकडाउन टास्क के दौरान सभी प्रतियोगियों को एरीना में बुलाया गया। नई वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी अपूर्वा मखीजा को खिलाड़ियों की जोड़ियां बनाने की जिम्मेदारी दी गई। नियम के मुताबिक, सभी को उस खिलाड़ी का नाम चुनना था जिसे वे मुकाबले के लिए अपेक्षाकृत कमजोर प्रतिद्वंद्वी मानते हैं। इसी दौरान शिवांगी ने हर्षद चोपड़ा का नाम लेकर सभी को हैरान कर दिया। शिवांगी के फैसले के बाद हर्षद शांत नजर आए। तब अभिनेता राम कपूर ने उन्हें समझाते हुए कहा कि शिवांगी का फैसला रणनीति के हिसाब से सही था। उनके अनुसार, अगर शिवांगी हर्षद को नहीं चुनतीं तो वह सीधे जजमेंट डे में पहुंच जाते और मुकाबला करने का अवसर भी नहीं मिलता।

फराह ने पूछे तीखे सवाल

हर्षद की लगातार चुप्पी देखकर फराह खान ने पहले शिवांगी से पूछा कि क्या उन्होंने हर्षद को इसलिए चुना क्योंकि वह उन्हें कमजोर खिलाड़ी मानती हैं। इस पर शिवांगी ने साफ किया कि उनका फैसला केवल खेल की रणनीति का हिस्सा था, ताकि दोनों में से किसी एक को सुरक्षित रहने का मौका मिल सके। इसके बाद फराह ने हर्षद से कहा, अगर आपकी एक्टिंग खत्म हो गई हो तो खुलकर बताइए कि आखिर चल क्या रहा है। मन की बात दबाकर मत रखिए।

मेट्रो बाजार

एआई की दौड़ में गूगल ने मारी लंबी छलांग, जेमिनी के 95 करोड़ मासिक उपयोगकर्ता बने बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली। गूगल का कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबॉट जेमिनी दुनिया भर में तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने बताया कि जेमिनी ऐप के मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या बढ़कर 95 करोड़ पहुंच गई है। पिछले एक वर्ष में इसके दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या भी तीन गुना हो गई है। कंपनी का मानना है कि नए एआई फीचर्स और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव ने इस तेज वृद्धि में अहम भूमिका निभाई है। सुंदर पिचाई ने एक ब्लॉग पोस्ट में बताया कि डेली ब्रीफ और व्यक्तिगत अनुभव देने वाला जेमिनी स्पार्क जैसे नए फीचर्स उपयोगकर्ताओं को काफी पसंद आ रहे हैं। फिलहाल यह सुविधा अमेरिका सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपलब्ध है। इन सुविधाओं की वजह से जेमिनी का इस्तेमाल पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है। गूगल का एआई आधारित खोज अनुभव भी लगातार लोकप्रिय हो रहा है। कंपनी के मुताबिक, पिछले वर्ष अक्टूबर में व्यापक स्तर पर शुरू किए गए एआई मोड के मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या अब 100 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सुविधा न केवल खोज को अधिक आसान और उपयोगी बना रही है, बल्कि हर सप्ताह वेबसाइटों पर अरबों क्लिक भी भेज रही है। गूगल ने अपने एआई मॉडल का दायरा भी लगातार बढ़ाया है। कंपनी ने हाल ही में जेमिनी के कई नए संस्करण पेश किए हैं और अगली पीढ़ी के मॉडल पर भी काम शुरू कर दिया है। पिचाई के अनुसार, हर महीने 90 लाख से अधिक डेवलपर गूगल के एआई मॉडल का उपयोग कर नए अनुप्रयोग तैयार कर रहे हैं।

एनएसई की बादशाहत को झटका, इक्विटी ऑप्शंस बाजार में 3 साल में 22% घटा दबदबा

मुंबई। देश के सबसे बड़े शेयर बाजार मंच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की इक्विटी ऑप्शंस (प्रीमियम वैल्यू) बाजार में मजबूत पकड़ अब कमजोर होती दिखाई दे रही है। हाल के वित्तीय आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन वर्षों में इस महत्वपूर्ण खंड में एनएसई की बाजार हिस्सेदारी में 22 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, नकद शेयर कारोबार और इक्विटी फ्यूचर्स जैसे अन्य क्षेत्रों में एक्सचेंज की स्थिति अब भी मजबूत बनी हुई है।

एनएसई की वार्षिक रिपोर्ट और रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस में जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में इक्विटी ऑप्शंस (प्रीमियम वैल्यू) खंड में एक्सचेंज की हिस्सेदारी 96.9 प्रतिशत थी। यह अगले वित्त वर्ष में घटकर 87.4 प्रतिशत रह गई और वित्त वर्ष 2025-26 में यह और गिरकर 74.71 प्रतिशत पर पहुंच गई। यानी तीन वर्षों के दौरान इस खंड में एनएसई की हिस्सेदारी में करीब 22.2 प्रतिशत की कमी आई है।

हालांकि ऑप्शंस बाजार में गिरावट देखने को मिली है, लेकिन नकद शेयर बाजार और इक्विटी फ्यूचर्स में एनएसई का दबदबा अभी भी कायम है। नकद शेयर कारोबार में उसकी हिस्सेदारी लगातार 92 से 93 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है, जबकि इक्विटी फ्यूचर्स खंड में एक्सचेंज की हिस्सेदारी लगभग 100 प्रतिशत के करीब बनी हुई है। आईपीओ की तैयारी कर रहे एनएसई के वित्तीय प्रदर्शन में भी कुछ नरमी देखने को मिली है। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की कुल परिचालन आय घटकर 16,601 करोड़ रुपये रह गई, जबकि इससे पहले के वित्त वर्ष में यह 17,140 करोड़ रुपये से अधिक थी। इस तरह सालाना आधार पर परिचालन आय में तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

कोल्ली हिल्स में 70 से अधिक जानलेवा मोड़

तमिलनाडु के नमक्कल जिले में स्थित कोल्ली हिल्स अपनी हरी-भरी पहाड़ियों, घने जंगलों और मनमोहक प्राकृतिक नजारों के लिए प्रसिद्ध है। समुद्र तल से करीब 1,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह पहाड़ी क्षेत्र प्रकृति प्रेमियों और पर्यटकों को खासा आकर्षित करता है। बता दें कि इस सड़क पर 70 से अधिक घुमवारदार मोड़ हैं। इसके लिए ड्राइविंग के दौरान बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है। यहां घुमावदार पहाड़ी सड़कें, झरने और हरियाली सफर को रोमांचक बना देते हैं। मानसून के दौरान कोल्ली हिल्स की खूबसूरती और भी निखर जाती है। पहाड़ियों पर छाए बादल और धुंध यहां के नजारे को किसी खूबसूरत पेंटिंग जैसा बना देते हैं। यहां का अगाया गंगई जलप्रपात प्रमुख आकर्षणों में शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत से अलग करने के मामले में एनआईए की कार्रवाई

डिजिटल नेटवर्क से देश तोड़ने की साजिश के आरोप में फैजान के खिलाफ चार्जशीट पेश

नई दिल्ली. एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुजरात से संचालित कथित ऑनलाइन कट्टरपंथ नेटवर्क के मुख्य आरोपित फैजान के खिलाफ अहमदाबाद की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी के मुताबिक, आरोपित पर हिंसक जिहाद को बढ़ावा देने, युवाओं को कट्टरपंथ की ओर आकर्षित करने, टारगेट किलिंग की साजिश रचने और जम्मू-कश्मीर व लद्दाख को भारत से अलग करने की कथित योजना में शामिल होने के आरोप हैं।

एनआईए की जांच के अनुसार, फैजान के संबंध पाकिस्तान में सक्रिय प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलर और अल-कायदा से जुड़े लोगों से थे। एजेंसी का आरोप है कि देश में सांप्रदायिक तनाव और अराजकता फैलाने के उद्देश्य से चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने की योजना तैयार की गई थी। जांच के दौरान उत्तर प्रदेश से हासिल किए गए कथित अवैध हथियार और छह जिंदा कारतूस भी जब्त किए गए हैं। जांच एजेंसी के मुताबिक, फैजान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपने अकाउंट के जरिए युवाओं को प्रभावित करने का प्रयास करता था। वह हिंसक विचारधारा और सशस्त्र विद्रोह को बढ़ावा देने वाली सामग्री पोस्ट करता था। डिजिटल फॉरेंसिक जांच में उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें मिलने का भी दावा किया गया है। यह मामला पहले गुजरात एटीएस की जांच में था, जिसे मार्च में एनआईए ने अपने हाथ में लिया था। आरोपित के खिलाफ यूएपीए, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। एनआईए अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और कथित सीमा पार संपर्कों की जांच कर रही है।

सोशल मीडिया बना कट्टरपंथ फैलाने का जरिया

जांच एजेंसी के अनुसार, फैजान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर सक्रिय था और अपने अकाउंट के जरिए युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश करता था। एनआईए का आरोप है कि वह हिंसक जिहाद और सशस्त्र विद्रोह को बढ़ावा देने वाली सामग्री साझा करता था। एजेंसी ने डिजिटल फॉरेंसिक जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से कई आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें बरामद किए जाने का दावा किया है। जांच के मुताबिक, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल युवाओं को बरगलाने और उन्हें कथित आतंकी विचारधारा से जोड़ने के लिए किया जा रहा था। एनआईए अब यह पता लगाने में जुटी है कि फैजान के संपर्क में कितने लोग थे और इस डिजिटल नेटवर्क का संचालन किस स्तर तक फैला हुआ था।

पाक हैंडलर्स से संपर्क का आरोप

एनआईए की चार्जशीट के मुताबिक, जांच में फैजान के कथित संपर्क पाकिस्तान में सक्रिय प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के हैंडलर और अल-कायदा से जुड़े लोगों से सामने आए हैं। एजेंसी का आरोप है कि यह नेटवर्क भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा देने और युवाओं को कट्टरपंथ की ओर धकेलने के लिए डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल कर रहा था। जांच में दावा किया गया है कि फैजान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को भारत से अलग करने की कथित साजिश का हिस्सा था। इसके अलावा देश में सांप्रदायिक तनाव और अराजकता फैलाने के लिए चुनिंदा लोगों को निशाना बनाने की योजना भी तैयार की गई थी। जांच एजेंसी ने इस मामले में सीमा पार बैठे कथित हैंडलर्स की भूमिका की भी पड़ताल शुरू कर दी है।

हथियार और छह जिंदा कारतूस बरामद

एनआईए के अनुसार, कथित साजिश को अंजाम देने के लिए फैजान ने उत्तर प्रदेश से अवैध हथियार और छह जिंदा कारतूस हासिल किए थे। जांच के दौरान इन्हें जब्त किए जाने का दावा किया गया है। एजेंसी का आरोप है कि इन हथियारों का इस्तेमाल टारगेट किलिंग की कथित योजना में किया जाना था। यह मामला पहले गुजरात एटीएस के पास था, जिसे मार्च में एनआईए ने अपने हाथ में लिया। आरोपित के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए, भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद अब जांच एजेंसी कथित नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच कर रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

आरोपी सुभाष का पेंशन खाता सीज करने पर फंस गई पुलिस

अयोध्या. एजेंसी

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में आरोपित पूर्व बैंककर्मी सुभाष श्रीवास्तव का पेंशन खाता सीज करने के मामले में अब पुलिस फंस गई है। खाता सीज करने में उसकी कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है। उक्त खाता किसके आदेश से सीज किया गया है तथा इसकी अनुमति न्यायालय से ली गई अथवा नहीं समेत कई बिंदुओं पर न्यायालय ने स्पष्टीकरण मांगा है। मामले की सुनवाई 27 जुलाई को होगी। जेल में निरुद्ध आरोपित सुभाष श्रीवास्तव ने बीती 18 जुलाई को विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रजत वर्मा के समक्ष पेंशन खाते से निकासी पर लगी रोक को हटाने की गुहार लगाई थी। सुनवाई करते हुए न्यायालय ने 21 जुलाई तक थाने से आख्या तलब की थी। अपनी आख्या में विवेचक सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने विवेचना के दौरान साक्ष्य संकलन के लिए खाता सीज करने की बात कही। साथ ही कहा कि 25 जून 2026 के बाद से खाते में आई राशि के भुगतान पर आपत्ति नहीं है। हालांकि, वह कोर्ट में यह नहीं बता सके कि उक्त सीजर की कार्रवाई किस प्रविधान के तहत की गई थी। सीज करने से पहले न्यायालय से अनुमति ली गई अथवा नहीं। आरोपित के अधिवक्ता डिप्टी लीगल ऐड डिफेंस काउंसिल कुलशेखर सिंह ने तर्क दिया कि कानूनन पेंशन खाता सीज नहीं किया जा सकता। यदि ऐसी स्थिति आती है तो उसके लिए खाताधारक को नोटिस दिया जाना चाहिए।

यरुशलम में भारतीय मजदूर की हत्या

यरुशलम. एजेंसी। इजरायल में काम करने वाले एक भारतीय व्यक्ति का शव यरूशलेम के कटामोन इलाके एक अपार्टमेंट में मिला है। पुलिस ने बताया कि 40 वर्षीय व्यक्ति का शव घर के फर्श पर पड़ा मिला और उसके चारों ओर खून फैला हुआ था। मोरियाह पुलिस स्टेशन के प्रमुख युवल रूवेन ने बताया कि पुलिस को पीड़ित का शव घर में पड़ा हुआ, जिसके चारों ओर काफी खून फैला था। पुलिस ने कहा कि मौत की असली वजह अभी साफ नहीं है। इजरायली अधिकारियों ने अभी तक पीड़ित की पहचान जाहिर नहीं की है और मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

पीएम मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर किया अपमानजनक पोस्ट, स्ट्रीट फूड वेंडर गिरफ्तार

बेंगलुरु. एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के मामले में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कड़ा एक्शन लिया गया है। बेंगलुरु में पुलिस ने एक स्ट्रीट फूड वेंडर को गिरफ्तार किया है जिसपर पीएम मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने का आरोप लगा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है और कोर्ट ने आरोपी को हिरासत में भेज दिया है।

जानकारी के मुताबिक, बानससवाड़ी पुलिस ने कम्मनहल्ली इलाके में एक स्ट्रीट फूड वेंडर को गिरफ्तार किया है। उस पर सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ

अपमानजनक बातें लिखने और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। यह एफआईआर 22 जुलाई को सर्वज्ञनगर विधानसभा क्षेत्र इकाई के अध्यक्ष अभिलाष रेड्डी की शिकायत पर दर्ज की गई थी। शिकायत के अनुसार, आरोपी हडसन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रधानमंत्री का अपमान करने के लिए बेहद आपत्तिजनक कंटेंट पोस्ट किया और अपशब्दों का इस्तेमाल किया। जानकारी के अनुसार, आरोपी हडसन बेंगलुरु के कम्मनहल्ली इलाके में फुटपाथ पर 'पांडियाज बिरयानी' नाम का फूड स्टॉल चलाता है। पुलिस ने कई धाराओं में मामला दर्ज किया। उसे गुरुवार को गिरफ्तार किया गया, अदालत में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

ग्वालियर: मासूम से दुष्कर्म और बेचने का आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

ग्वालियर. एजेंसी। बच्ची के साथ दुष्कर्म और बेचने के मामले में फरार चल रहे आरोपी और दस हजार का इनामी राहुल उर्फ संजू दुबे को पुलिस ने पकड़ा है। वह लंबे समय से फरार चल रहा था। भेष बदलकर घूम रहा था। वह साधु के भेष में अलग-अलग शहरों में घूम रहा था। पुलिस ने अभी उसकी गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। पता लगा है कि राहुल उर्फ संजू दुबे एक बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहा था। उस पर दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज थी। पुलिस से बचने के लिए उसने साधु का भेष रख लिया था। वह पुलिस की नजरों से लंबे समय से बच रहा था।

छात्रों से दुश्मनों जैसा व्यवहार, कायरता और क्रूरता की हद पार : सोनिया गांधी

नई दिल्ली. एजेंसी

नीट पेपर लीक विवाद को लेकर जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार का तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सरकार ने शांतिपूर्ण छात्र प्रदर्शनों का जवाब कायरता और क्रूरता से दिया है और देश के युवाओं के साथ राष्ट्र के दुश्मनों जैसा व्यवहार किया है।

खबरों के अनुसार सोनिया गांधी ने केंद्र से पुलिस कार्रवाई तुरंत रोकने और संवाद शुरू करने की अपील की। उन्होंने 20 जुलाई के संसद चलो मार्च को कलंक का दिन बताया। 20 जुलाई काला दिन, लाठी और आंसू गैस का इस्तेमाल सोनिया गांधी ने लिखा, पिछले कुछ हफ्तों से पूरे भारत में छात्र परीक्षा पेपर लीक और शिक्षा व्यवस्था के पतन के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांगें सीधी हैं, सरकार से जवाबदेही और शिक्षा सुधार। नरेंद्र मोदी सरकार ने उनके साहस का जवाब कायरता और क्रूरता से दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 20 जुलाई, 2026 को दिल्ली पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने बर्बर लाठीचार्ज और आंसू गैस से उन्हें दबाने की कोशिश की। दर्जनों शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी घायल हुए। घर लौट रहे छात्रों को भी नहीं बख्शा गया। सोनिया ने यह भी दावा किया कि विरोध में शामिल युवाओं के शरीर छर्रों से जख्मी हैं और इसका आदेश केंद्रीय गृह मंत्री ने दिया होगा।

मेट्रो एंकर **एयरपोर्ट ऑपरेटर को एयरलाइन में हिस्सेदारी की सीमा से जुड़े नियम बदलने की रिपोर्ट से बढ़ी थीं अटकलें**

अदाणी समूह ने हवाई सेवा शुरू करने की अटकलों को खारिज किया

नई दिल्ली, एजेंसी

अदाणी समूह के विमानन क्षेत्र में एयरलाइन शुरू करने की चर्चाओं पर आज विराम लग गया है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया, जिनमें समूह के वाणिज्यिक विमानन कारोबार में प्रवेश करने की योजना का दावा किया गया था। कंपनी ने स्पष्ट किया कि फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। इससे पहले आई रिपोर्टों में कहा गया था कि समूह ने सरकार से एक पुराने नियामकीय नियम में बदलाव की मांग की है।

मौजूदा नियम के तहत दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट के संचालकों को किसी निर्धारित एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने पर रोक है। नियम में संभावित बदलाव को अदाणी समूह के लिए एयरलाइन शुरू करने की बड़ी नियामकीय बाधा दूर करने के तौर पर देखा गया था। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि एयरलाइन शुरू करने को लेकर

कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ था। इस संभावित बदलाव को लेकर मौजूदा एयरलाइंस ने चिंता जताई थी। इंडिगो के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया ने एयरपोर्ट संचालकों को एयरलाइन स्वामित्व देने को हितों के टकराव का कारण बताया था। उनका कहना था कि इसका नुकसान अंततः यात्रियों को हो सकता है। वहीं सरकारी अधिकारियों ने किसी भी बदलाव की स्थिति में एयरपोर्ट और एयरलाइन कारोबार के बीच परिचालन और प्रबंधन स्तर पर स्पष्ट अलगाव समेत सुरक्षा उपायों की बात कही थी। अदाणी समूह देश का सबसे बड़ा निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर है और मुंबई सहित आठ एयरपोर्ट का प्रबंधन करता है। समूह नवी मुंबई एयरपोर्ट भी विकसित कर रहा है। इसके अलावा ग्राउंड हैंडलिंग, पायलट ट्रेनिंग और विमान रखरखाव जैसे क्षेत्रों में भी उसकी मौजूदगी है।

कंपनी ने कहा...

अदाणी एंटरप्राइजेज ने आज उन रिपोर्टों का खंडन किया, जिनमें समूह के वाणिज्यिक एयरलाइन कारोबार में प्रवेश करने की संभावना जताई गई थी। कंपनी ने साफ किया कि उसकी एयरलाइन शुरू करने की कोई योजना नहीं है। इससे पहले आई रिपोर्टों में कहा गया था कि समूह इस क्षेत्र में उतरने पर विचार कर रहा है। हालांकि, उसी रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया गया था कि एयरलाइन शुरू करने को लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ था। समूह की ओर से जारी स्पष्टीकरण के बाद विमानन क्षेत्र में प्रवेश को लेकर चल रही अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है।

इस लिए गरमाया था मामला

एयरलाइन शुरू करने की अटकलों के बीच एक पुराने नियामकीय नियम में बदलाव की चर्चा भी सामने आई थी। मौजूदा व्यवस्था के तहत दिल्ली और मुंबई एयरपोर्ट के संचालकों को किसी निर्धारित एयरलाइन में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने की अनुमति नहीं है। रिपोर्टों में दावा किया गया था कि अदाणी समूह ने सरकार से इस नियम में बदलाव की मांग की थी। यदि नियम बदलता तो एयरपोर्ट संचालन और एयरलाइन कारोबार के बीच मौजूदा नियामकीय बाधा कम हो सकती थी। इसी वजह से समूह के विमानन क्षेत्र में प्रवेश की चर्चाओं को बल मिला। हालांकि, कंपनी के ताजा खंडन के बाद इन अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है। सरकारी अधिकारियों ने संभावित बदलाव की स्थिति में सुरक्षा उपायों और कारोबारों के बीच परिचालन अलगाव की बात कही थी।

हमारे सामान पर 50% टैरिफ लगा तो देंगे जवाब : कनाडाई पीएम कार्नी

नई दिल्ली. एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के एक बयान से अमेरिका और कनाडा में ट्रेड वॉर का खतरा बढ़ गया है। दरअसल, कनाडाई प्रधानमंत्री ने

कहा कि कनाडा, अमेरिका के साथ एक व्यापक व्यापार समझौते तक पहुंचने के लिए तेजी के साथ बातचीत कर रहा है, लेकिन अगर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी लागू होती है, तो वह भी जवाब देने के लिए तैयार हैं। जान लें कि ट्रंप ने बीते सोमवार को कनाडा को लेकर जिन नए टैरिफ का ऐलान किया था, वे 19 अगस्त से लागू होने वाले हैं। प्रिंस एडवर्ड आइलैंड के चार्लोटटाउन में कनाडा के प्रीमियर और क्षेत्रीय नेताओं के साथ मीटिंग के बाद मार्क कार्नी ने यह कहा है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564